करेंट अफेयर्स
छत्तीसगढ़
(संग्रह)

अक्तूबर
2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

छत्तीसगढ़ 4

- छत्तीसगढ़ सरकार ने नई पहल शुरू की 4
- माओवादी-प्रभावित अबूझमाड़ से जोड़ने हेतु सड़क परियोजना 4
- छत्तीसगढ़ मंत्रिमंडल ने धान खरीद मूल्य निर्धारित किया 5
- बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में काले हिरण का पुनरुज्जीवन 6
- छत्तीसगढ़ में पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन 8
- छत्तीसगढ़ में नए विधानसभा भवन का उद्घाटन 9

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स 10

- अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस 10
- राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार 2025 11
- माई भारत मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च 13
- श्यामजी कृष्ण वर्मा की जयंती 13
- विश्व कपास दिवस 2025 15
- विश्व पर्यावास दिवस 16
- 93वाँ वायुसेना दिवस 16
- 70वें फिल्मफेयर पुरस्कार 2025 17
- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 18
- विश्व मानक दिवस 19
- भारत-दक्षिण कोरिया नौसैनिक द्विपक्षीय अभ्यास (IN–RoKN) 20
- विश्व खाद्य दिवस 2025 21
- डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती 22
- विशाखापत्तनम में गूगल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब 23
- समुद्र शक्ति का पाँचवाँ संस्करण 24

The Vision

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

- संयुक्त राष्ट्र सैनिक योगदानकर्त्ता देशों के (UNTCC) प्रमुखों का सम्मेलन 2025 25
- पिंकी आनंद बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय की न्यायाधीश नियुक्त 26
- नीरज चोपड़ा को मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि 28
- अंतर्राष्ट्रीय स्नो लेपर्ड दिवस और '#23for23' पहल 29
- वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन 2025 31
- पूर्वी तिमोर आसियान का 11वाँ सदस्य बना 32
- भौतिक वैज्ञानिक जयंत नार्लीकर को विज्ञान रत्न 35
- त्रिशूल अभ्यास 37
- मोंथा चक्रवात 38
- DFC पर यात्री ट्रेनों का परिचालन 38
- 8वें वेतन आयोग की संदर्भ शर्तें स्वीकृत 39
- न्यायमूर्ति सूर्यकांत 53वें मुख्य न्यायाधीश नियुक्त 40
- राष्ट्रीय एकता दिवस 41

दृष्टि The Vision

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ सरकार ने नई पहल शुरू की

चर्चा में क्यों ?

छत्तीसगढ़ के **मुख्यमंत्री** **विष्णु देव साय** ने वरिष्ठ नागरिकों के लिये नई पहल की घोषणा की, जिसमें **आधुनिक वृद्धाश्रम** और एक विशेष **'सियान गुड़ी' सुविधा केंद्र'** शामिल है, साथ ही **ईजमाईट्रिप** (EaseMyTrip) के सहयोग से पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **वरिष्ठ नागरिकों के लिये प्रमुख घोषणाएँ:**
  - **आधुनिक वृद्धाश्रम:** ये रायपुर, बिलासपुर, कोरबा और दुर्ग में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) के तहत स्थापित किये जाएंगे।
  - **'सियान गुड़ी' सुविधा केंद्र:** यह **वरिष्ठ नागरिकों** की देखभाल के लिये एक समर्पित केंद्र है, जो **सांस्कृतिक और सामाजिक सम्मान** सुनिश्चित करता है।
  - **सहायक उपकरण सेवा केंद्र:** दिव्यांगजनों द्वारा उपयोग किये जाने वाले उपकरणों की मरम्मत के लिये रायपुर में **सहायक उपकरण सेवा केंद्र** की स्थापना की जाएगी।
- **अन्य क्रियान्वित पहलें:**
  - वर्तमान में 35 **वृद्धाश्रम** 1,049 **वरिष्ठ नागरिकों** को सेवा प्रदान कर रहे हैं।
  - छह ज़िलों में **प्रशामक देखभाल केंद्र** कार्यरत हैं।
  - **हेल्पलाइन सहायता:** समाज कल्याण विभाग की हेल्पलाइन द्वारा 54,000 से अधिक समस्याओं का समाधान किया गया।
  - आयुष्मान भारत एवं **शहीद वीर नारायण सिंह स्वास्थ्य सहायता योजना** के अंतर्गत **निशुल्क स्वास्थ्य सेवा।**
  - **मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना** एवं **श्री रामलला दर्शन योजना।**
- **पर्यटन प्रोत्साहन के बारे में:**
  - पर्यटन को बढ़ावा देने और रोज़गार सृजन के लिये **पर्यटन साथी पहल** के तहत **ईजमाईट्रिप** के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये गए।
  - **ITI सड्डू** में व्यावसायिक टूर गाइड प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की शुरुआत की जाएगी , जिसमें 3 महीने के मॉड्यूल में 50 प्रशिक्षुओं का बैच होगा।
  - इसका उद्देश्य छत्तीसगढ़ के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देना तथा स्थानीय युवाओं के लिये **रोज़गार के नए अवसर** प्रदान करना है।

The Vision

माओवादी-प्रभावित अबूझमाड़ से जोड़ने हेतु सड़क परियोजना

चर्चा में क्यों ?

छत्तीसगढ़ सरकार ने नारायणपुर ज़िले के **माओवादी-प्रभावित अबूझमाड़ क्षेत्र को महाराष्ट्र** से जोड़ने वाले 21.5 किमी. सड़क खंड के निर्माण को मंज़ूरी प्रदान की है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** यह सड़क **तीन खंडों में विकसित** की जाएगी और अनुमानित लागत **₹152 करोड़** होगी। इसे **दो-लेन पक्की सड़क के साथ** डिज़ाइन किया गया है, जो **घने वन वाले क्षेत्र में पूरे वर्ष आवाजाही** सुनिश्चित करेगी।
- **डायरेक्ट लिंक:** नई सड़क **माओवादी उग्रवाद से प्रभावित अबूझमाड़ क्षेत्र के दूरस्थ कुटुल क्षेत्र** को **महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित नीलांगुर** से **प्रत्यक्ष रूप से जोड़** देगी।
    - 21.5 किमी. का यह खंड **195 किमी. NH-130D** का हिस्सा है, जो NH-30 की एक शाखा है, जो **कोंडागाँव** से शुरू होती है, नारायणपुर एवं कुटुल से गुज़रती है और महाराष्ट्र में विस्तारित होती है।
    - महाराष्ट्र की ओर, यह मार्ग **बिंगुंडा, लाहेरी, धोदराज, भामरगढ़, हेमा और लकासा** से होकर गुज़रेगा तथा इन क्षेत्रों को **NH-353D, अलापल्ली** से जोड़ेगा।
    - ऐतिहासिक रूप से ये क्षेत्र **माओवादी उग्रवाद से सबसे अधिक प्रभावित** थे। हालाँकि, **तीव्र नक्सल-विरोधी अभियानों** के कारण उग्रवादी गतिविधियाँ काफी हद तक कम हो गई हैं, जिससे बुनियादी ढाँचे के विकास की संभावनाएँ बनी हुई हैं।
- **प्रभाव:** सड़क निर्माण के पूरा होने के बाद **बस्तर को राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से प्रत्यक्ष कनेक्शन** मिलेगा। इस कनेक्टिविटी से **व्यापार, पर्यटन और वामपंथी उग्रवाद (LWE) प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा संचालन** को बढ़ावा मिलने की आशा है।

छत्तीसगढ़ मंत्रिमंडल ने धान खरीद मूल्य निर्धारित किया

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ मंत्रिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में 2025-26 खरीफ विपणन सीज़न (KMS) के लिये **धान की खरीद** के महत्त्वपूर्ण सुधारों को स्वीकृति दी है।

मुख्य बिंदु

- **खरीदी केंद्र:** 2025-26 खरीफ के लिये धान की खरीद 15 नवंबर, 2025 से शुरू होगी, ₹3,100 प्रति क्विंटल दर पर और यह प्रक्रिया 31 जनवरी, 2026 तक चलेगी। इससे राज्य भर के 25 लाख से अधिक किसानों को लाभ मिलेगा।
    - कुल 2,739 खरीद केंद्र पूरे राज्य में स्थापित किये जाएंगे, साथ ही नए और पुराने जूट के बोरे पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराए जाएंगे ताकि **सुव्यवस्थित परिवहन** तथा **ढुलाई कार्य** सुनिश्चित किया जा सके।
    - भारतीय खाद्य विभाग, भारत सरकार ने **KMS 2025-26** के दौरान केंद्रीय पूल के लिये **73 लाख मीट्रिक टन चावल** का लक्ष्य निर्धारित किया है।
- **भुगतान प्रक्रिया:** किसान अपने उत्पाद को सहकारी समितियों को बेचने के **6 से 7 दिनों के भीतर भुगतान** प्राप्त करेंगे। धान की खरीद के लिये **प्रति एकड़ 21 क्विंटल** की सीमा निर्धारित की गई है।
- **डिजिटल फसल सर्वेक्षण: 23 लाख हेक्टेयर** क्षेत्र में डिजिटल फसल सर्वेक्षण किया गया है, जिससे **धान की खेती वाले क्षेत्रों** का मानचित्र तैयार किया गया है। इस डेटा को **20,000 गाँवों में सार्वजनिक रूप से सत्यापित** किया जा रहा है।
- **प्रौद्योगिकी-आधारित पहल:**
    - **टोकन तुंहर हाथ (Token Tunhar Haath) मोबाइल ऐप:** यह किसानों को **धान बेचने के लिये ऑनलाइन स्लॉट बुक करने** की सुविधा प्रदान करता है, जिससे खरीद केंद्रों पर **प्रतीक्षा समय और कतारें कम** होती हैं।

  - **बायोमेट्रिक आधारित खरीद प्रणाली:** यह सुनिश्चित करती है कि खरीद केवल **सत्यापित वास्तविक किसानों** से ही की जाए।
  - **ई-KYC आवश्यकता:** एग्रीस्टैक (AgriStack) पोर्टल के माध्यम से अनिवार्य **ई-KYC पंजीकरण**, पारदर्शिता बढ़ाने और डुप्लीकेट से बचाव हेतु।
  - **प्रोत्साहन:** जो सहकारी समितियाँ इस सीज़न में **शून्य नुकसान या बर्बादी** सुनिश्चित करती हैं, उन्हें **प्रति क्विंटल 5 का प्रोत्साहन** मिलेगा।
- **निगरानी एवं नियंत्रण:** मार्कफेड कार्यालय में एक **एकीकृत कमांड एवं नियंत्रण केंद्र (Integrated Command and Control Centre)** स्थापित किया जाएगा, जबकि **ज़िला स्तर पर नियंत्रण कक्ष** बनाए जाएंगे ताकि **खरीद प्रक्रिया की निगरानी** की जा सके।
  - ज़िलाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे **प्रशासनिक अधिकारियों को केंद्र प्रभारी नियुक्त** करें और विशेष जाँच दलों का गठन करें, ताकि पड़ोसी राज्यों से धान के अवैध परिवहन या पुनर्चक्रण को रोका जा सके।
- **महत्त्व:** छत्तीसगढ़ सरकार के ये **रणनीतिक कदम** अपने **मुख्य धान खरीद तंत्र को सशक्त** बनाने, **पारदर्शिता बढ़ाने** तथा **किसानों को समय पर भुगतान और उनके फसल का उचित मूल्य** सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण प्रयास हैं।

बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में काले हिरण का पुनरुज्जीवन

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ के बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य ने लगभग **पाँच दशकों बाद स्थानीय रूप से विलुप्त** हो चुके काले हिरण की संख्या को सफलतापूर्वक पुनरुज्जीवित किया है, जो **भारत के वन्यजीव संरक्षण प्रयासों** में एक **महत्त्वपूर्ण उपलब्धि** का प्रतीक है।

मुख्य बिंदु

- **पुनर्वास पहल: छत्तीसगढ़ वन विभाग ने काले हिरण (ब्लैकबक)** को उनके पर्यावास में लौटाने के उद्देश्य से एक **पाँच-वर्षीय पुनर्वास कार्यक्रम (वर्ष 2021-2026)** शुरू किया।
- **स्थानांतरण प्रयास:** कुल **77 काले हिरण** पेश किये गए, **50 राष्ट्रीय प्राणि उद्यान (दिल्ली) से और 27 कनन पेंडारी प्राणि उद्यान (बिलासपुर)** से।
- **संख्या की पुनर्प्राप्ति:** 1970 के दशक में शून्य संख्या के बाद, अब **बारनवापारा में लगभग 190 काले हिरण** हैं, जो कार्यक्रम की सफलता को दर्शाता है।
- **भविष्य का विस्तार:** इस सफलता से प्रेरित होकर **वन विभाग इस मॉडल को अन्य अभयारण्यों तक विस्तारित करने की योजना बना रहा है, जिनमें गोमरधा वन्यजीव अभयारण्य (रायगढ़)** शामिल है, जो अपने आदर्श घास के पारिस्थितिक तंत्र (Grassland Ecosystem) हेतु जाना जाता है।

काला हिरण

- **परिचय: काला हिरण (Antilope cervicapra)**, जिसे **इंडियन एंटीलोप** भी कहा जाता है, दिन में सक्रिय (Diurnal) रहने वाला जीव है, जो **भारत** (मुख्य रूप से **राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और ओडिशा**) तथा **नेपाल** में पाया जाता है।
  - इसे भारत के **घास पारिस्थितिक तंत्र (Grassland Ecosystem)** का प्रतीक माना जाता है।
- **पर्यावास: वेलावदार ब्लैकबक अभयारण्य (गुजरात), प्वाइंट कैलिमेयर वन्यजीव अभयारण्य (तमिलनाडु) और** ताल छपार अभयारण्य **(राजस्थान)।**

The Vision

- **संरक्षण स्थिति:**
  - वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972: अनुसूची I
  - IUCN **स्थिति:** कम चिंताजनक (Least Concern)
  - CITES: परिशिष्ट III
- **जोखिम: पर्यावास का नुकसान और विखंडन, वनोन्मूलन (वनों की कटाई), प्राकृतिक आपदाएँ** तथा **अवैध शिकार** इस प्रजाति के लिये मुख्य जोखिम हैं।

बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य: परिचय

- **स्थान और नाम:** यह **छत्तीसगढ़** के **रायपुर ज़िले के उत्तर-पूर्वी कोने** में स्थित है और इसका नाम इसके केंद्र में स्थित **बार** तथा **नवापारा वन गाँवों** के नाम पर रखा गया है।
- **भूगोल और स्थलाकृति:** अभयारण्य **ऊबड़-खाबड़ भूभाग** है, जिसमें कई **छोटे और बड़े टीले** हैं। जलस्रोतों में महानदी की **सहायक नदियाँ शामिल** हैं, पश्चिमी सीमा पर **बालमदेही नदी** और उत्तर-पूर्वी सीमा पर **जोंक नदी** प्रवाहित होती है।
- **वन का प्रकार:** अभयारण्य में **घने और समृद्ध वन** हैं, जिन्हें **सागवान (टीक), साल** तथा **मिश्रित वनों** के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- **वन्यजीव:** यहाँ सामान्यत: पाए जाने वाले जीवों में **भारतीय भैंसा (गौर), चीता, साँभर, नीलगाय और वन्य सूअर** शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन

चर्चा में क्यों ?

छत्तीसगढ़ में **21 अक्तूबर, 2025** को **पुलिस स्मृति दिवस** मनाया गया, जिसमें कर्त्तव्य पालन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिस और सुरक्षा कर्मियों को श्रद्धांजलि दी गई।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - **पुलिस स्मृति दिवस (Police Commemoration Day)** प्रतिवर्ष **21 अक्तूबर** को पूरे भारत में मनाया जाता है, ताकि उन **वीर पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया जा सके जिन्होंने अपने कर्त्तव्य पालन के दौरान अपने प्राणों की आहुति** दी।
  - यह तिथि वर्ष 1959 के **हॉट स्प्रिंग्स** घटना से जुड़ी हुई है, जिसमें **लद्दाख में दस भारतीय पुलिसकर्मियों को चीनी सेना द्वारा घातक हमला कर शहीद** कर दिया गया था।
  - उनकी स्मृति में वर्ष 1962 में DGP/IGP सम्मेलन ने **21 अक्तूबर** को **पुलिस स्मृति दिवस** के रूप में निर्धारित किया, जिसे पूरे देश की सभी पुलिस बलों द्वारा मनाया जाता है।
- **छत्तीसगढ़ में आयोजन:**
  - राज्य स्तर का कार्यक्रम **शहीद स्मारक, रायपुर** में आयोजित किया गया, जहाँ **राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साई और गृहमंत्री विजय शर्मा** ने शहीद नायकों को पुष्पांजलि अर्पित की।

- मुख्यमंत्री ने पुलिस कर्मियों की बहादुरी और समर्पण की प्रशंसा करते हुए राज्य सरकार के **31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद को पूर्ण रूप से समाप्त करने** के लक्ष्य को दोहराया तथा विश्वास व्यक्त किया कि पुलिस बलों की हिम्मत तथा प्रतिबद्धता इस लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होगी।
- उन्होंने **नियाड नेल्लानार, ग्राम उत्कर्ष अभियान, पीएम जनमन मिशन और धरती आबा जनजातीय योजना** जैसी कल्याणकारी पहलों के प्रभाव को रेखांकित किया, जो दूर-दराज़ के जनजातीय क्षेत्रों में लोगों के जीवन में परिवर्तन ला रही हैं।

छत्तीसगढ़ में नए विधानसभा भवन का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

राज्य की रजत जयंती (स्थापना दिवस) के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी **1 नवंबर, 2025** को नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ के नए विधानसभा **भवन का** उद्घाटन करेंगे।

मुख्य बिंदु

- **नए विधानसभा भवन के बारे में:**
  - **324 करोड़ रुपये** की लागत से निर्मित यह नया **विधानसभा भवन**, वर्ष 2000 में सूक्ष्म शुरुआत से लेकर आत्मनिर्भर विकास और संस्थागत परिपक्वता तक राज्य की यात्रा को दर्शाता है।
    - नया भवन भविष्य में विधानसभा सीटों की वृद्धि की संभावना को ध्यान में रखते **100 वर्षों के दृष्टिकोण** के साथ डिज़ाइन किया गया है।
  - मुख्य सभागार की क्षमता **200 सीटें** है, जिसे भविष्य की जरूरतों के अनुसार बढ़ाया जा सकता है; इसमें **24 मंत्रिमंडल कक्ष** (प्रारंभ में 14 कार्यात्मक) और प्रत्येक विधायक के लिये **व्यक्तिगत डेस्क सहित युग्मित बैठने** की व्यवस्था है।
  - इस परिसर में सम्मेलनों और कार्यक्रमों के लिये 520-1,000 सीटों वाला एक **सभागार, मुख्य भवन के नीचे** विधायी इतिहास को प्रदर्शित करने वाला एक संग्रहालय तथा 8-8 बिस्तरों वाली आयुर्वेदिक, एलोपैथिक और होम्योपैथिक **देखभाल प्रदान करने वाली चिकित्सा सुविधाएँ** शामिल हैं।
- **'मेक इन छत्तीसगढ़' अवधारणा:**
  - **ऊर्जा कुशल,** सतत् और प्राकृतिक रूप से प्रकाशित, यह पर्यावरण अनुकूल है तथा स्थानीय सामग्रियों पर विशेष ज़ोर देता है।
  - इसे पूरी तरह से **स्थानीय सामग्री और विशेषज्ञता का उपयोग करके योजनाबद्ध, डिज़ाइन** तथा **निर्मित किया गया है**।
  - **यह राष्ट्रीय 'मेक इन इंडिया' पहल के** अनुरूप **राज्य की आत्मनिर्भर दृष्टि को** दर्शाता है।
- **प्रथम विधानसभा सत्र:**
  - छत्तीसगढ़ राज्य **1 नवंबर, 2000** को मध्य प्रदेश से अलग हुआ।
  - **14 दिसंबर 2000** को मुख्यमंत्री अजीत जोगी के नेतृत्व में **रायपुर के राजकुमार कॉलेज परिसर** में एक **अस्थायी तंबू में आयोजित किया गया।**
  - **राजेंद्र प्रसाद शुक्ल पहले** विधानसभा अध्यक्ष बने और **नंद कुमार साय (BJP) पहले नेता प्रतिपक्ष** बने।
  - प्रारंभ में, **विधानसभा सचिवालय DKS अस्पताल के दो कमरों** और यहाँ तक कि **पीपल वृक्ष के नीचे** से संचालित होता था, बाद में इसे **बरोंडा गाँव के वाटरशेड मिशन भवन** में स्थानांतरित कर दिया गया।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि The Vision

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स

अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस

चर्चा में क्यों ?

भारत में **2 अक्तूबर** को महात्मा गांधी के जन्म दिवस के सम्मान में **गांधी जयंती** के रूप में मनाया जाता है।

- इस दिन को **संपूर्ण विश्व** में अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, क्योंकि **वर्ष 2007** में **संयुक्त राष्ट्र** के एक प्रस्ताव को 140 से अधिक देशों ने समर्थन दिया था, जिससे इसे **सार्वभौमिक महत्त्व** प्राप्त हुआ।

मुख्य बिंदु

महात्मा गांधी के बारे में:

- **जन्म:** महात्मा गांधी का जन्म **2 अक्तूबर, 1869** को **पोरबंदर (गुजरात)** में हुआ था।
- **संक्षिप्त परिचय:** वे एक प्रसिद्ध **वकील, राजनेता, सामाजिक कार्यकर्त्ता और लेखक** थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध भारत के राष्ट्रवादी आंदोलन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **पुस्तकें:** हिंद स्वराज, सत्य के साथ मेरे प्रयोग (आत्मकथा)
- **मृत्यु:** 30 जनवरी, 1948 को नाथूराम गोडसे ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी।
  - 30 जनवरी को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका

- **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) का नेतृत्व:** महात्मा गांधी 20वीं सदी के प्रारंभ में भारतीय **राष्ट्रीय कांग्रेस के एक प्रमुख नेता बन गए और इन्होंने** ब्रिटिश शासन को चुनौती देने के लिये **अहिंसक प्रतिरोध तथा जन-आंदोलन की वकालत की।**
  - **वर्ष 1924 का** बेलगाम अधिवेशन कांग्रेस का एकमात्र ऐसा अधिवेशन था, जिसकी अध्यक्षता गांधी जी ने की थी।
- **असहयोग आंदोलन (NCM) (1920-22):** गांधीजी ने **जलियाँवाला बाग हत्याकांड** और दमनकारी **रॉलेट एक्ट की प्रतिक्रिया में NCM की शुरुआत की।**
  - उन्होंने **भारतीयों से ब्रिटिश संस्थाओं, वस्तुओं और सम्मानों का बहिष्कार करने का आग्रह किया।**
  - गांधीजी को **बोअर युद्ध** में उनकी भूमिका के लिये **वर्ष 1915 में कैसर-ए-हिंद उपाधि से सम्मानित किया गया था** लेकिन उन्होंने जलियाँवाला बाग हत्याकांड के विरोध में **वर्ष 1920 में इसे वापस कर दिया था।**
- **दांडी मार्च (1930):** गांधीजी ने ब्रिटिश नमक कर के विरोध में गुजरात के तटीय **शहर दांडी तक नमक मार्च का नेतृत्व किया। इस क्रम में** सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत हुई।
- **भारत छोड़ो आंदोलन (QIM), 1942:** गांधीजी ने भारत में ब्रिटिश शासन को समाप्त करने की मांग करते हुए QIM का आह्वान किया।

  - उनके नारे **"करो या मरो" ने लाखों लोगों को विरोध प्रदर्शनों, हड़तालों और सविनय अवज्ञा के कार्यों में भाग लेने के लिये प्रेरित किया,** जिससे स्वतंत्रता संग्राम में लोगों की भागीदारी में तथा अधिक वृद्धि हुई।
- **अहिंसा का दर्शन: अपने पूरे सक्रियता अभियान के दौरान गांधीजी ने सत्याग्रह और अहिंसा** के सिद्धांतों पर बल दिया तथा शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की वकालत की।
  - **उनके दृष्टिकोण ने न केवल भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को प्रभावित किया बल्कि नेल्सन मंडेला** और **मार्टिन लूथर किंग जूनियर** के नेतृत्व वाले विश्वव्यापी नागरिक अधिकार आंदोलनों को भी प्रेरित किया।

राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों?

आयुष मंत्रालय ने **प्रो. बनवारी लाल** गौर, **वैद्य नीलकंधन मूस ई.टी.** और **वैद्य भावना प्रशर** को **आयुर्वेद** के क्षेत्र में उनके **उत्कृष्ट योगदान** के लिये राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया।

मुख्य बिंदु

- **पुरस्कार के बारे में:**
  - यह पुरस्कार **आयुष मंत्रालय द्वारा स्थापित** किया गया है और पारंपरिक भारतीय चिकित्सा में **सर्वोच्च सम्मानों में से एक** माना जाता है।
  - यह आयुर्वेद के **प्रचार, संरक्षण और नवाचार** में उत्कृष्टता को मान्यता देता है।
  - वर्ष 2025 के पुरस्कार विजेता आयुर्वेद के **तीन महत्त्वपूर्ण आयामों** का प्रतिनिधित्व करते हैं- **विद्वत्ता, पारंपरिक अभ्यास और वैज्ञानिक नवाचार।**
- **विजेता:**
  - **प्रो. बनवारी लाल गौर** आयुर्वेदिक शिक्षा और संस्कृत साहित्य में छह दशकों का योगदान देने वाले विद्वान तथा शिक्षाविद् हैं, जिन्हें राष्ट्रपति सम्मान सहित कई अन्य राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं।
  - **वैद्य नीलकंधन मूस ई.टी.** केरल स्थित वैद्यरत्नम समूह के प्रमुख हैं और 200-वर्षीय आयुर्वेदिक परंपरा की आठवीं पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं।
    - उन्हें आयुर्वेद को जीवंत और समुदाय-उन्मुख अभ्यास के रूप में संरक्षित तथा आधुनिक बनाने के लिये जाना जाता है।
- **वैद्य भावना प्रशर आयुर्जिनोमिक्स (Ayurgenomics)** में अग्रणी हैं, जिन्होंने आयुर्वेदिक प्रकृति अवधारणाओं को आधुनिक आनुवंशिक विज्ञान से जोड़ा और उनके **योगदान को राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण कार्यक्रम** में एकीकृत किया गया।
- **महत्त्व:**
  - यह पुरस्कार **पारंपरिक विद्वत्ता, पारंपरिक अभ्यास और आधुनिक विज्ञान** के माध्यम से आयुर्वेद की **निरंतरता** तथा **विकास** को मान्यता देता है।
  - **एकीकृत एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य सेवा** में आयुर्वेद की भूमिका को सुदृढ़ करता है।
  - **पारंपरिक चिकित्सा और नवाचार** में भारत के **वैश्विक नेतृत्व** को मज़बूत करता है।

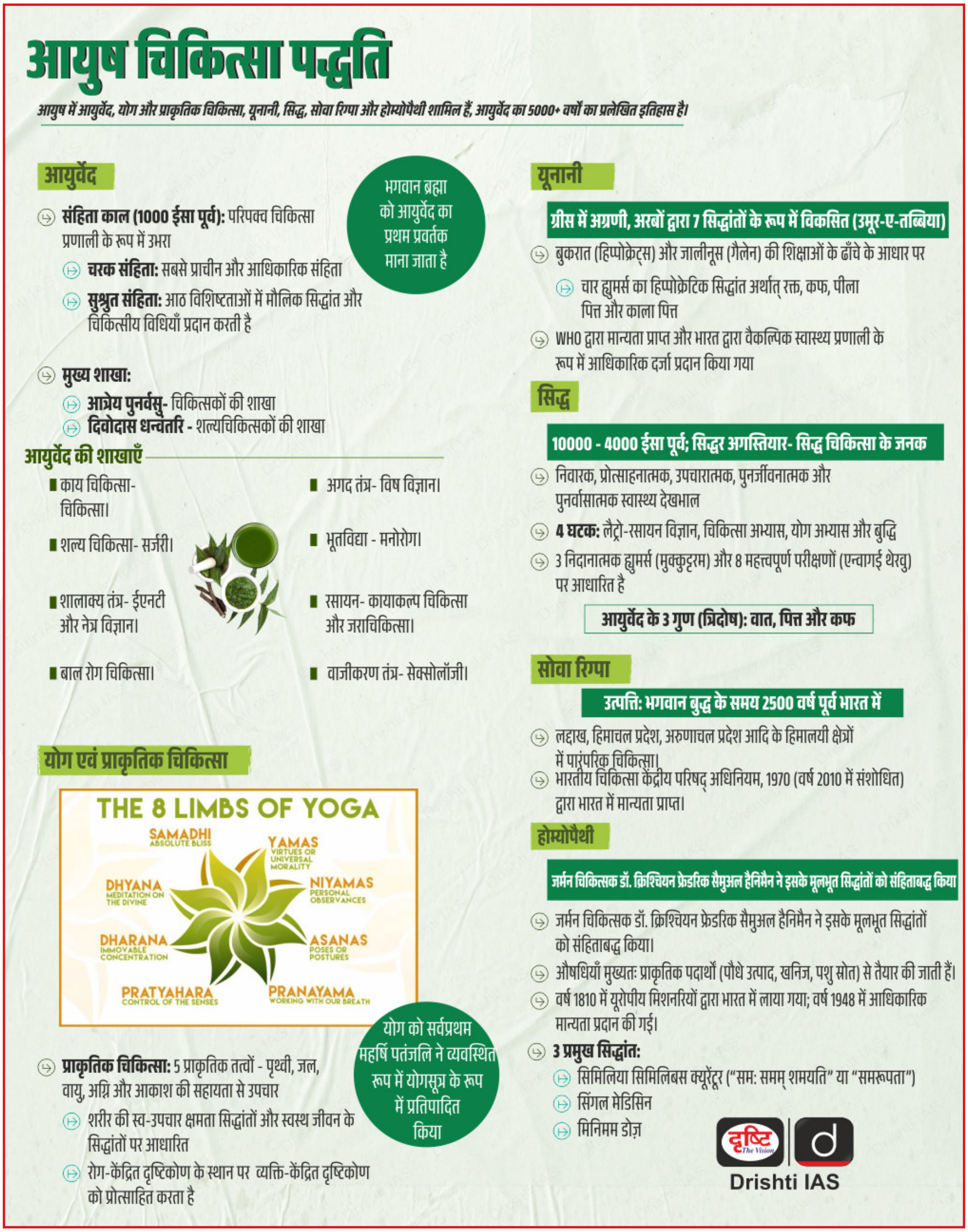

आयुष चिकित्सा पद्धति

आयुष में आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी शामिल हैं, आयुर्वेद का 5000+ वर्षों का प्रलेखित इतिहास है।

आयुर्वेद

भगवान ब्रह्मा को आयुर्वेद का प्रथम प्रवर्तक माना जाता है

- **संहिता काल (1000 ईसा पूर्व):** परिपक्व चिकित्सा प्रणाली के रूप में उभरा
  - **चरक संहिता:** सबसे प्राचीन और आधिकारिक संहिता
  - **सुश्रुत संहिता:** आठ विशिष्टताओं में मौलिक सिद्धांत और चिकित्सीय विधियाँ प्रदान करती है
- **मुख्य शाखा:**
  - **आत्रेय पुनर्वसु**- चिकित्सकों की शाखा
  - **दिवोदास धन्वंतरि** - शल्यचिकित्सकों की शाखा

आयुर्वेद की शाखाएँ

- काय चिकित्सा- चिकित्सा।
- शल्य चिकित्सा- सर्जरी।
- शालाक्य तंत्र- ईएनटी और नेत्र विज्ञान।
- बाल रोग चिकित्सा।
- अगद तंत्र- विष विज्ञान।
- भूतविद्या - मनोरोग।
- रसायन- कायाकल्प चिकित्सा और जराचिकित्सा।
- वाजीकरण तंत्र- सेक्सोलॉजी।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा

THE 8 LIMBS OF YOGA
SAMADHI ABSOLUTE BLISS
YAMAS VIRTUES OR UNIVERSAL MORALITY
NIYAMAS PERSONAL OBSERVANCES
ASANAS POSES OR POSTURES
PRANAYAMA WORKING WITH OUR BREATH
PRATYAHARA CONTROL OF THE SENSES
DHARANA IMMOVABLE CONCENTRATION
DHYANA MEDITATION ON THE DIVINE

योग को सर्वप्रथम महर्षि पतंजलि ने व्यवस्थित रूप में योगसूत्र के रूप में प्रतिपादित किया

- **प्राकृतिक चिकित्सा:** 5 प्राकृतिक तत्वों - पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश की सहायता से उपचार
  - शरीर की स्व-उपचार क्षमता सिद्धांतों और स्वस्थ जीवन के सिद्धांतों पर आधारित
  - रोग-केंद्रित दृष्टिकोण के स्थान पर व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है

यूनानी

ग्रीस में अग्रणी, अरबों द्वारा 7 सिद्धांतों के रूप में विकसित (उमूर-ए-तब्बिया)

- बुकरात (हिप्पोक्रेट्स) और जालीनूस (गैलेन) की शिक्षाओं के ढाँचे के आधार पर
  - चार ह्युमर्स का हिप्पोक्रेटिक सिद्धांत अर्थात् रक्त, कफ, पीला पित्त और काला पित्त
- WHO द्वारा मान्यता प्राप्त और भारत द्वारा वैकल्पिक स्वास्थ्य प्रणाली के रूप में आधिकारिक दर्जा प्रदान किया गया

सिद्ध

10000 - 4000 ईसा पूर्व; सिद्धर अगस्तियार- सिद्ध चिकित्सा के जनक

- निवारक, प्रोत्साहनात्मक, उपचारात्मक, पुनर्जीवनात्मक और पुनर्वासात्मक स्वास्थ्य देखभाल
- **4 घटक:** लैट्रो-रसायन विज्ञान, चिकित्सा अभ्यास, योग अभ्यास और बुद्धि
- 3 निदानात्मक ह्युमर्स (मुक्कुट्रम) और 8 महत्त्वपूर्ण परीक्षणों (एन्वागई थेरवु) पर आधारित है

आयुर्वेद के 3 गुण (त्रिदोष): वात, पित्त और कफ

सोवा रिग्पा

उत्पत्ति: भगवान बुद्ध के समय 2500 वर्ष पूर्व भारत में

- लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश आदि के हिमालयी क्षेत्रों में पारंपरिक चिकित्सा।
- भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (वर्ष 2010 में संशोधित) द्वारा भारत में मान्यता प्राप्त।

होम्योपैथी

जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया

- जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया।
- औषधियाँ मुख्यतः प्राकृतिक पदार्थों (पौधे उत्पाद, खनिज, पशु स्रोत) से तैयार की जाती हैं।
- वर्ष 1810 में यूरोपीय मिशनरियों द्वारा भारत में लाया गया; वर्ष 1948 में आधिकारिक मान्यता प्रदान की गई।
- **3 प्रमुख सिद्धांत:**
  - सिमिलिया सिमिलिबस क्यूरेंटूर ("सम: समम् शमयति" या "समरूपता")
  - सिंगल मेडिसिन
  - मिनिमम डोज़

Drishti IAS

माई भारत मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने माई भारत मोबाइल एप्लिकेशन **लॉन्च किया,** जो प्रौद्योगिकी के माध्यम से **युवाओं के नेतृत्व** और **नागरिक सहभागिता** को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

- उन्होंने कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) को **माई भारत पोर्टल** से एकीकृत करने की भी घोषणा की, जिससे देश भर में युवाओं से जुड़े कार्यक्रमों की व्यापक पहुँच और गहन प्रसार सुनिश्चित हो सकेगा।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - यह एक ऑनलाइन *युवा नेतृत्व और सामाजिक सहभागिता मंच* है, जिसे युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के ***युवा कार्य विभाग*** *(DoYA)* के अंतर्गत, *डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन (DIC),* *इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)* द्वारा विकसित किया गया है।
  - इसका उद्देश्य युवाओं को निर्बाध मोबाइल इंटरफेस के माध्यम से **स्वयंसेवा, इंटर्नशिप, मार्गदर्शन और सीखने के अवसर प्रदान करना है।**
  - यह वर्तमान में **हिंदी और अंग्रेज़ी में उपलब्ध है** तथा धीरे-धीरे इसमें अन्य भारतीय भाषाओं को भी जोड़ा जाएगा।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **सत्यापित अवसर:** स्वयंसेवा, इंटर्नशिप, मेंटरशिप और अनुभवात्मक शिक्षा।
  - **डिजिटल मान्यता:** बैज, प्रमाण-पत्र और व्यक्तिगत **युवा प्रोफाइल**।
  - **कॅरियर सशक्तीकरण:** कौशल निर्माण संसाधन और **एआई-सक्षम रिज्यूमे निर्माण**।
  - **युवा अभियान:** प्रमुख कार्यक्रमों और **नागरिक पहलों** में सक्रिय भागीदारी।
  - **इंटरैक्टिव लर्निंग:** विकसित भारत युवा नेता संवाद (VBYLD) 2026 क्विज़ में भागीदारी।
  - **CSC के साथ एकीकरण:** 5 लाख से अधिक *ग्राम स्तरीय उद्यमियों (VLEs)* के विशाल नेटवर्क का लाभ लेते हुए अब **माई भारत** पोर्टल दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक विस्तारित होगा, जिससे युवाओं का निर्बाध पंजीकरण संभव होगा और VBYLD क्विज़ जैसी पहलों में उनकी भागीदारी संभव होगी।
- प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** द्वारा **31 अक्तूबर,** 2023 को लॉन्च किया गया **माई भारत प्लेटफॉर्म** 1.81 करोड़ से अधिक युवाओं और 1.20 लाख संगठनों के साथ भारत के सबसे बड़े **युवा-केंद्रित पारिस्थितिक तंत्रों** में से एक बन गया है, जो **अमृत काल** के दौरान युवाओं की सहभागिता, **नेतृत्व** तथा **राष्ट्र निर्माण** के लिये एक **डिजिटल आधार** के रूप में कार्य कर रहा है।

श्यामजी कृष्ण वर्मा की जयंती

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** ने श्यामजी कृष्ण वर्मा को उनकी **जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित** की तथा **भारत के** स्वतंत्रता संग्राम के प्रति उनके समर्पण को रेखांकित करते हुए युवाओं से उनकी **निडर साहस** और **न्याय के प्रति प्रतिबद्धता** का अनुकरण करने का आग्रह किया।

मुख्य बिंदु

- वे एक भारतीय क्रांतिकारी, देशभक्त, वकील और पत्रकार थे, जिनका जन्म **4 अक्तूबर, 1857 को** मांडवी, गुजरात में हुआ था।
- लंदन में उन्होंने वर्ष **1905 में** **इंडियन होम रूल सोसाइटी** की स्थापना की, जिसका उद्देश्य युवा भारतीयों को ब्रिटिश शासन के विरुद्ध क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल होने के लिये प्रेरित करना था।
- उन्होंने लंदन में **भारतीय छात्रों** के लिये **छात्रावास** और **बैठक-स्थल** के रूप में **'इंडिया हाउस'** की स्थापना की।
- उन्होंने **'द इंडियन सोशियोलॉजिस्ट'** नामक **पत्रिका** भी शुरू की, जिसका उद्देश्य युवा भारतीयों को **ब्रिटिश शासन** के विरुद्ध **क्रांतिकारी गतिविधियों** में शामिल होने के लिये प्रेरित करना था।
- वे **बॉम्बे आर्य समाज** के पहले **अध्यक्ष** थे और **वीर सावरकर** से प्रभावित थे।
- **ब्रिटिश आलोचना** के प्रत्युत्तर में वे इंग्लैंड से पेरिस चले गए और तत्पश्चात् **प्रथम विश्वयुद्ध** के दौरान **जिनेवा** में स्थायी रूप से बस गए, जहाँ **30 मार्च, 1930 को** उनका निधन को गया।
- उन्होंने इच्छा व्यक्त की थी कि उनकी **अस्थियाँ स्वतंत्र भारत** में लाई जाएँ, यह इच्छा **अगस्त** 2003 में **गुजरात के** तत्कालीन **मुख्यमंत्री** नरेंद्र मोदी द्वारा पूरी की गई।
- उनकी स्मृति में **'क्रांति तीर्थ'** नामक **स्मारक** का निर्माण मांडवी के निकट किया गया, जिसका **उद्घाटन वर्ष** 2010 में किया गया।

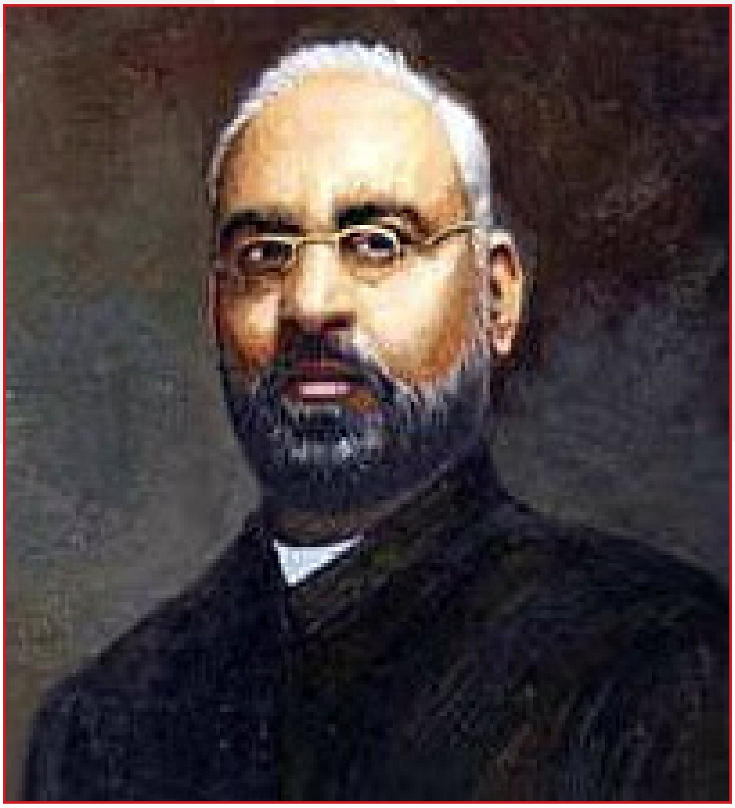

विश्व कपास दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और पबित्रा मार्गेरिटा ने **7 अक्तूबर** को नई दिल्ली में विश्व कपास दिवस **2025 समारोह में भाग लिया।**

- यह कार्यक्रम **वस्त्र मंत्रालय** तथा **भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (CITI)** द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था, जिसका विषय था– **'कपास 2040: प्रौद्योगिकी, जलवायु और प्रतिस्पर्द्धात्मकता'।**

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - विश्व कपास दिवस की **स्थापना वर्ष** 2019 में की गई थी, जब **उप-सहारा अफ्रीका** के चार कपास उत्पादक देशों (**बेनीन, बुर्किना फासो, चाड** और **माली**), जिन्हें सामूहिक रूप से **"कॉटन फोर"** (Cotton Four) कहा जाता है, ने **7 अक्तूबर** को विश्व व्यापार संगठन (WTO) को यह दिवस मनाने का प्रस्ताव दिया था।
- **उद्देश्य:**
  - इस दिवस का उद्देश्य अल्प विकसित देशों के कपास और कपास से संबंधित उत्पादों के लिये **वैश्विक बाज़ार तक पहुँच** प्रदान करने की आवश्यकता के प्रति **जागरूकता उत्पन्न करना** है।
  - साथ ही यह **सतत् व्यापार नीतियों** को बढ़ावा देने और विकासशील देशों को **कपास मूल्य शृंखला** के प्रत्येक चरण से **अधिक लाभ प्राप्त करने** में सक्षम बनाना है।
- **कपास से संबंधित तथ्य:**
  - शीर्ष पाँच कपास उत्पादक देश **चीन, भारत, ब्राज़ील, संयुक्त राज्य अमेरिका और पाकिस्तान हैं,** जिनकी कुल मिलाकर वैश्विक उत्पादन में **तीन-चौथाई** से अधिक हिस्सेदारी है।
    - **भारत विश्व में कपास का सबसे बड़ा उत्पादक है,** जो कुल वैश्विक कपास उत्पादन **का 23% है।**
  - कपास से विश्व में लगभग **2.4 करोड़ उत्पादकों को आजीविका मिलती है तथा** 10 करोड़ से अधिक परिवारों को लाभ मिलता है।
  - **कपास** विश्व में **पॉलिएस्टर के बाद दूसरा सबसे अधिक प्रयोग किया जाने वाला रेशा** है, जो **कुल रेशा मांग का लगभग 20%** है।
  - लगभग 80% **कपास का उपयोग परिधानों में किया जाता है,** शेष कपास का उपयोग घरेलू वस्त्रों और औद्योगिक उत्पादों में किया जाता है।
- **भारत में नियंत्रण प्रणाली:**
  - **भारतीय कपास निगम** की स्थापना **जुलाई** 1970 में **वस्त्र मंत्रालय** के अधीन की गई थी।
  - इसका उद्देश्य **मूल्य समर्थन उपायों के माध्यम से कपास के मूल्य स्थिरीकरण** को सुनिश्चित करना है।
  - इसके अतिरिक्त, यह निगम **घरेलू वस्त्र उद्योग** का **व्यावसायिक खरीद परिचालन के माध्यम से समर्थन** करता है, विशेष रूप से कम उत्पादन वाले मौसम के दौरान।

विश्व पर्यावास दिवस

चर्चा में क्यों?

आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) ने **विज्ञान भवन, नई दिल्ली** में **"संकट के लिये शहरी समाधान"** विषय के साथ विश्व पर्यावास दिवस 2025 मनाया।

- इस कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन, प्रवासन और **तीव्र** शहरीकरण जैसी चुनौतियों से निपटने हेतु **शहरों को अधिक लचीला, समावेशी** तथा **सतत् बनाने** के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया।

मुख्य बिंदु

- **पृष्ठभूमि:**
  - वर्ष 1985 में संयुक्त राष्ट्र ने अक्तूबर के पहले सोमवार को **विश्व पर्यावास दिवस** के रूप में घोषित किया।
  - यह दिवस पहली बार वर्ष 1986 **में *"आश्रय मेरा अधिकार है"*** थीम के साथ मनाया गया था और **नैरोबी** इसका मेज़बान शहर था।
- **उद्देश्य:**
  - यह दिवस **आवास की स्थिति** पर विचार करने तथा सभी व्यक्तियों के लिये **पर्याप्त आश्रय** तक पहुँच के **मौलिक अधिकार** पर ज़ोर देने के लिये मनाया जाता है।
- **विषय 2025:**
  - 6 अक्तूबर को मनाए गए **विश्व पर्यावास दिवस** 2025 का विषय **"शहरी संकट प्रतिक्रिया"** था।
  - यह **जलवायु परिवर्तन और संघर्षों** जैसी चुनौतियों से उत्पन्न **शहरी असमानता** को संबोधित करने तथा **प्रभावी संकट प्रतिक्रिया उपकरणों और दृष्टिकोणों** को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

स्क्रॉल ऑफ ऑनर पुरस्कार

- संयुक्त राष्ट्र मानव पर्यावास कार्यक्रम (UN-Habitat) द्वारा वर्ष 1989 में शुरू किया गया **स्क्रॉल ऑफ ऑनर अवार्ड** मानव बस्तियों के क्षेत्र में **विश्व का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार** है।
- यह पुरस्कार निम्नलिखित क्षेत्रों में **असाधारण योगदान** को मान्यता देता है:
  - **आश्रय प्रावधान:** पर्याप्त और सुलभ आवास।
  - **निराश्रित लोगों की दुर्दशा** पर प्रकाश डालना।
  - **संघर्षोत्तर पुनर्निर्माण** में नेतृत्व।
  - **शहरी जीवन की गुणवत्ता** और मानव बस्तियों में सुधार करना।

93वाँ वायुसेना दिवस

चर्चा में क्यों?

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने 93वें वायुसेना दिवस पर राष्ट्र को शुभकामनाएँ दीं और उन **साहसी वायु सैनिकों** को सम्मानित किया, जिन्होंने **त्याग, समर्पण और कौशल** के साथ देश **की रक्षा** की।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - यह दिवस 8 **अक्तूबर,** 1932 को **भारतीय वायुसेना (IAF) की स्थापना** के सम्मान में प्रतिवर्ष 8 अक्तूबर को मनाया **जाता है।**
  - भारतीय वायुसेना की पहली परिचालन उड़ान **1 अप्रैल,** 1933 को हुई, जिसने दशकों से भारत की रक्षा को आकार देने वाली वायु शक्ति की नींव रखी।
  - सीमित कार्मिक और विमानों वाली छोटी सेना से भारतीय वायुसेना अब **विश्व की चौथी सबसे बड़ी वायुसेना** बन गई है, जो विभिन्न **सैन्य और मानवीय मिशनों** में सक्रिय है।
- **आदर्श वाक्य:**
  - भारतीय वायुसेना का आदर्श वाक्य '**नभः *स्पर्शं दीप्तम्***' है, ***जो* भगवद्गीता** के ग्यारहवें अध्याय से लिया गया है।
- **विषय:**
  - इस वर्ष का विषय "**ऑपरेशन सिंदूर में बल का योगदान**" है।
- **समारोह:**
  - इस वर्ष के समारोह में **राफेल, Su-30MKI, C-17 ग्लोबमास्टर, अपाचे गार्जियन** और अन्य विमानों के साथ भव्य फ्लाईपास्ट, साथ ही परेड, एयर शो तथा भारतीय वायुसेना की तकनीकी प्रगति एवं परिचालन तत्परता को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनियाँ शामिल थीं, साथ ही प्रतिष्ठित **मिग-21** को विदाई दी गई।
  - यह परेड उत्तर प्रदेश के हिंडन एयर बेस पर आयोजित की गई।
  - **हेरिटेज फ्लाइट के भाग के रूप में** पुनर्स्थापित **हिंदुस्तान ट्रेनर-2 (HT-2) विमान,** जो कि पहला स्वदेशी निर्मित भारतीय वायुसेना का विमान है, को भी पहली बार प्रदर्शित किया गया।
  - पारंपरिक फ्लाईपास्ट और **हवाई प्रदर्शन 9 नवंबर को गुवाहाटी में आयोजित किया जाएगा,** जो इस वर्ष के वायुसेना **दिवस समारोह का समापन होगा।**

70वें फिल्मफेयर पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों?

70वें हुंडई फिल्मफेयर पुरस्कार 2025, जो 11 **अक्तूबर,** 2025 को EKA एरेना, अहमदाबाद में **गुजरात पर्यटन** के सहयोग से आयोजित किये गए, हिंदी सिनेमा में उत्कृष्टता का एक विशिष्ट उत्सव था।

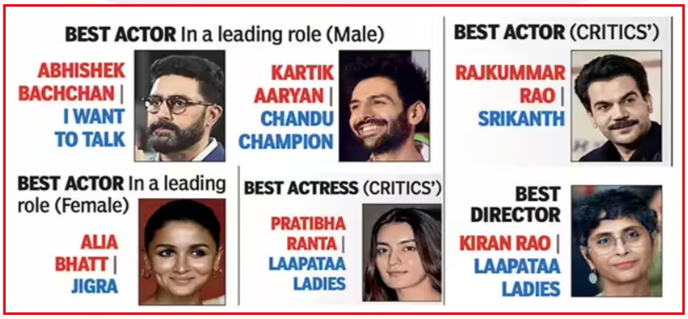
BEST ACTOR In a leading role (Male)
ABHISHEK BACHCHAN | I WANT TO TALK
KARTIK AARYAN | CHANDU CHAMPION
BEST ACTOR (CRITICS')
RAJKUMMAR RAO | SRIKANTH
BEST ACTOR In a leading role (Female)
ALIA BHATT | JIGRA
BEST ACTRESS (CRITICS')
PRATIBHA RANTA | LAAPATAA LADIES
BEST DIRECTOR
KIRAN RAO | LAAPATAA LADIES

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** यह समारोह **शाहरुख खान** और **करण जौहर** द्वारा होस्ट किया गया, जो 18 वर्षों के बाद फिल्मफेयर मंच पर फिर से मिले। यह आयोजन चमक-दमक और यादों का संगम था, जो सिनेमा की सात दशकों की उत्कृष्टता का उत्सव मनाने के लिये आयोजित किया गया।
- **उद्देश्य:** **वर्ष 2024** की **सर्वश्रेष्ठ फिल्मों** का उत्सव मनाना और कई श्रेणियों में उत्कृष्टता को सम्मानित करना।
- **मुख्य जीत:** **'लापता लेडीज़'** ने **रात की सबसे बड़ी जीत** दर्ज की, **13 ट्रॉफियाँ** जीतीं, जिसमें **सर्वश्रेष्ठ फिल्म** (Best Film) शामिल है और इस तरह **'गली बॉय' (2019)** का रिकॉर्ड बनाए रखा, जिसमें रणवीर सिंह तथा आलिया भट्ट थे।
    - अभिनय श्रेणियों में अभिषेक बच्चन और कार्तिक आर्यन ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (पुरुष)** पुरस्कार साझा किया, जबकि **आलिया भट्ट** ने अपने शानदार रोल के लिये **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री** ट्रॉफी जीती।

टॉप इंडिविजुअल विनर्स

नाम	**पुरस्कार/अवार्ड्स**	**फिल्म/फिल्में**
किरण राव	सर्वश्रेष्ठ निर्देशक	लापता लेडीज़
शूजित सरकार	क्रिटिक्स अवार्ड फॉर बेस्ट फिल्म	आई वांट टू टॉक
स्नेहा देसाई	बेस्ट स्क्रीनप्ले एंड बेस्ट डायलॉग	लापता लेडीज़
राम संपथ	बेस्ट म्यूज़िक एल्बम एंड बेस्ट बैकग्राउंड स्कोर	लापता लेडीज़
अचिंत ठक्कर	RD बर्मन अवार्ड (संगीत में उभरती प्रतिभा)	जिगरा, मिस्टर एंड मिसेज़ माही
ज़ीनत अमान, श्याम बेनेगल (पोस्टह्यूमसली)	लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड	भारतीय सिनेमा में अतुलनीय योगदान के लिये सम्मानित

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

चर्चा में क्यों?

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (World Mental Health Day) 2025 के अवसर पर **केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा** ने राष्ट्रीय टेली-मेंटल हेल्थ कार्यक्रम (Tele-MANAS) के तहत कई नई सुविधाओं की शुरुआत की।

मुख्य बिंदु

- **ऐप सुधार: Tele-MANAS मोबाइल ऐप** उपयोगकर्त्ताओं को कहीं भी और कभी भी मानसिक स्वास्थ्य सहायता तक पहुँचने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे भारत के **डिजिटल स्वास्थ्य ढाँचे** को सुदृढ़ किया जाता है।
    - ऐप में अब **बहुभाषी इंटरफेस, चैटबोट, पहुँच सुधार** और **आपातकालीन प्रतिक्रिया मॉड्यूल** जैसी सुविधाएँ शामिल हैं।
    - ऐप **10 क्षेत्रीय भाषाओं** (असमिया, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, तमिल, तेलुगु, ओड़िया और पंजाबी) में उपलब्ध है, इसके अलावा **अंग्रेज़ी** तथा **हिंदी** में भी उपलब्ध है।
    - **सुलभता सुविधाएँ** इसे **दिव्यांग व्यक्तियों**, विशेषकर दृष्टिहीन लोगों के लिये उपयोगकर्त्ता-अनुकूल बनाती हैं।
    - **चैटबोट "अस्मी" (Asmi)** उपयोगकर्त्ताओं को संवाद करने, जानकारी प्राप्त करने और मानसिक स्वास्थ्य सहायता तक पहुँचने की सुविधा देता है।
    - **आपातकालीन मॉड्यूल** संकट के समय त्वरित मार्गदर्शन और सहायता सुनिश्चित करता है।

- **मेंटल हेल्थ एंबेसडर:** मंत्री ने घोषणा की कि **दीपिका पादुकोण** को **मेंटल हेल्थ एंबेसडर** के रूप में नामित किया गया है, ताकि मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच के संबंध में जागरूकता बढ़ाई जा सके।
- **विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस:**
  - **परिचय:** विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, जिसे **10 अक्तूबर** को मनाया जाता है, का उद्देश्य **मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना, संवाद को प्रोत्साहित करना** और **सभी के लिये मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सुलभ बनाने के प्रयासों** को सक्रिय करना है।
  - **थीम:** 2025 की थीम, **"सेवाओं तक पहुँच- आपदाओं और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य"** (Access to Services - Mental Health in Catastrophes and Emergencies), यह दर्शाती है कि प्राकृतिक आपदाओं, **सशस्त्र संघर्षों और महामारी जैसी संकट की स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करना** कितना महत्त्वपूर्ण है।

विश्व मानक दिवस

चर्चा में क्यों?

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी ने 14 अक्तूबर, 2025 को **विश्व मानक दिवस** (World Standards Day) कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

- यह कार्यक्रम भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) द्वारा आयोजित किया गया था, जो उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत आता है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** राष्ट्रीय मानकीकरण प्रशिक्षण संस्थान (NITS) में आयोजित इस समारोह में भारत का **राष्ट्रीय लाइटिंग कोड 2025** (National Lighting Code of India 2025) जारी किया गया, इसके साथ ही लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) तथा **ऑनलाइन स्टैंडर्ड डेवलपमेंट (OSD) मॉड्यूल** को भी **BIS मानक पोर्टल** पर लॉन्च किया गया।
- **विश्व मानक दिवस:**
  - **परिचय:** विश्व मानक दिवस पहली बार वर्ष **1970** में मनाया गया था, जिसका उद्देश्य सुरक्षा, गुणवत्ता और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहित करने में मानकों (Standards) के महत्त्व के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना था।
    - यह दिवस अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (ISO) ने **अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल कमीशन (IEC)** और अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) के सहयोग से स्थापित किया था, ताकि वैश्विक स्तर पर मानक विकसित करने वाले समुदाय तथा उनके योगदान का सम्मान किया जा सके।
  - **उद्देश्य:** विश्व मानक दिवस उन मानकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका का उत्सव मनाता है, जो **गुणवत्ता, सुरक्षा और सततता** सुनिश्चित करते हैं। यह उन विशेषज्ञों-वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, नीति निर्माताओं और नवप्रवर्तकों के सहयोगात्मक प्रयासों को मान्यता प्रदान करता है, जो इन ढाँचों को बनाने के लिये कार्य करते हैं।
  - **थीम: वर्ष 2025 की थीम, "A Shared Vision for a Better World: Standards for Sustainable Development Goals" अर्थात् एक बेहतर विश्व के लिये साझा दृष्टि: सतत् विकास लक्ष्यों हेतु मानक** अंतर्राष्ट्रीय मानकों की उस भूमिका पर ज़ोर देती है, जो संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) को प्राप्त करने के लिये वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देती है।

The Vision

भारतीय मानक ब्यूरो (BIS)

- BIS भारत का **वैधानिक राष्ट्रीय मानक संस्थान** है, जिसे वस्तुओं के मानकीकरण, अंकन और गुणवत्ता प्रमाणन की गतिविधियों के समन्वित विकास के लिये BIS अधिनियम, 2016 के तहत स्थापित किया गया।
  - इसकी स्थापना प्रारंभ में **भारतीय मानक संस्था (ISI)** के रूप में हुई थी, जो **6 जनवरी, 1947** को अस्तित्व में आई।
- इसका मुख्यालय **नई दिल्ली** में स्थित है।
- BIS विभिन्न योजनाओं का संचालन करता है, जैसे कि उत्पाद प्रमाणन (ISI मार्क), सोने और चांदी के आभूषणों की **हॉलमार्किंग,** ईको मार्क योजना (पर्यावरण अनुकूल उत्पादों के लेबलिंग के लिये)।

भारत-दक्षिण कोरिया नौसैनिक द्विपक्षीय अभ्यास (IN-RoKN)

चर्चा में क्यों?

भारत-दक्षिण कोरिया द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास (IN-RoKN) का पहला संस्करण 13 अक्तूबर, 2025 को दक्षिण कोरिया के बुसान नेवल बेस में शुरू हुआ, जो भारतीय नौसेना (IN) और कोरिया गणराज्य नौसेना (RoKN) के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी में एक मील का पत्थर है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** पहला IN-RoKN अभ्यास दो अलग-अलग चरणों- **हार्बर फेज़ और सी फेज़** में आयोजित किया गया है, जिसका उद्देश्य दोनों समुद्री सेनाओं के बीच अंतर-संचालनीयता (इंटरऑपरेबिलिटी), **आपसी समझ तथा विश्वास** को बढ़ाना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

  - **हार्बर फेज़:** इस चरण में, दोनों देशों के नौसैनिक अधिकारी क्रॉस-डेक विज़िट, पेशेवर अनुभवों का आदान-प्रदान, सर्वोत्तम प्रथाओं का साझाकरण, खेलकूद गतिविधियों और क्रॉस-ट्रेनिंग सत्रों में शामिल होंगे। **INS सह्याद्रि के कमांडिंग ऑफिसर** भी **वरिष्ठ RoKN अधिकारियों** तथा स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों से शिष्टाचार करेंगे।
  - **सी फेज़:** समुद्री चरण में **INS सह्याद्रि और ROKS Gyeongnam** के बीच जटिल संयुक्त अभ्यास एवं संचालन संबंधी अभ्यास होंगे, जिनका उद्देश्य सामरिक समन्वय तथा परिचालन सहयोग को सुदृढ़ करना है।
- **INS सह्याद्रि: INS सह्याद्रि** एक स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित **शिवालिक-क्लास स्टील्थ फ्रिगेट** है। इसे वर्ष 2012 में कमीशन किया गया तथा यह **ईस्टर्न नेवल कमांड के ईस्टर्न फ्लीट** के अधीन सेवाएँ प्रदान करता है, जिसका मुख्यालय विशाखापट्टनम में स्थित है।
  - यह भारत की '**आत्मनिर्भर भारत**' (Self-Reliant India) पहल और उसकी स्वदेशी शिपबिल्डिंग क्षमताओं का प्रतीक है।
- **रणनीतिक महत्त्व:** जैसे-जैसे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र का भू-राजनीतिक महत्त्व बढ़ रहा है, भारत और कोरिया गणराज्य ने साझा हितों, **आपसी सम्मान तथा सामान्य मूल्यों पर आधारित सुदृढ़ समुद्री साझेदारी** विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता की दोबारा पुष्टि की है।

विश्व खाद्य दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

विश्व खाद्य दिवस प्रतिवर्ष **16 अक्तूबर** को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य खाद्य सुरक्षा, पोषण और संधारणीय कृषि के संबंध में जागरूकता बढ़ाना है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय: विश्व खाद्य दिवस** संयुक्त राष्ट्र (UN) द्वारा **16 अक्तूबर, 1945** को स्थापित खाद्य और कृषि संगठन (FAO) की स्थापना की स्मृति में मनाया जाता है।
  - विश्व खाद्य दिवस 1979 में FAO की 20वीं महासभा के दौरान अस्तित्व में आया और 1984 में इसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने स्वीकृति प्रदान की।
  - **भोजन का अधिकार** 1948 के सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा-पत्र (Universal Declaration of Human Rights) द्वारा मान्यता प्राप्त है।
- **थीम:** वर्ष 2025 के लिये थीम है "**बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य साथ-साथ**", जो एग्रीफूड सिस्टम को बदलने में वैश्विक सहयोग की शक्ति को उजागर करती है।
- **भारत की स्थिति:** पिछले दशक में भारत का अन्न उत्पादन लगभग 90 मिलियन मीट्रिक टन बढ़ा है, जो दृढ़ कृषि विकास को दर्शाता है।
  - फल और सब्ज़ियों का उत्पादन भी महत्त्वपूर्ण रूप से बढ़ा है तथा इसी अवधि में यह 64 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक हो गया।
  - **भारत** अब दूध और बाजरे (मिलेट्स) के उत्पादन में विश्व में **प्रथम स्थान** पर है, जबकि मछली, फल तथा सब्ज़ियों के उत्पादन में दूसरा स्थान रखता है। वर्ष 2014 के बाद से शहद एवं अंडे का उत्पादन दोगुना हो गया है।
- **भारत की पहलें:** राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम पोषण (POSHAN) योजना, अंत्योदय अन्न योजना, राइस फोर्टिफिकेशन और प्राइस स्टेबिलाइज़ेशन फंड (PSF) जैसी प्रमुख पहलें भारत की खाद्य तथा पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ कर रही हैं।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती

चर्चा में क्यों ?

15 अक्तूबर, 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती पर राष्ट्रपति भवन में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

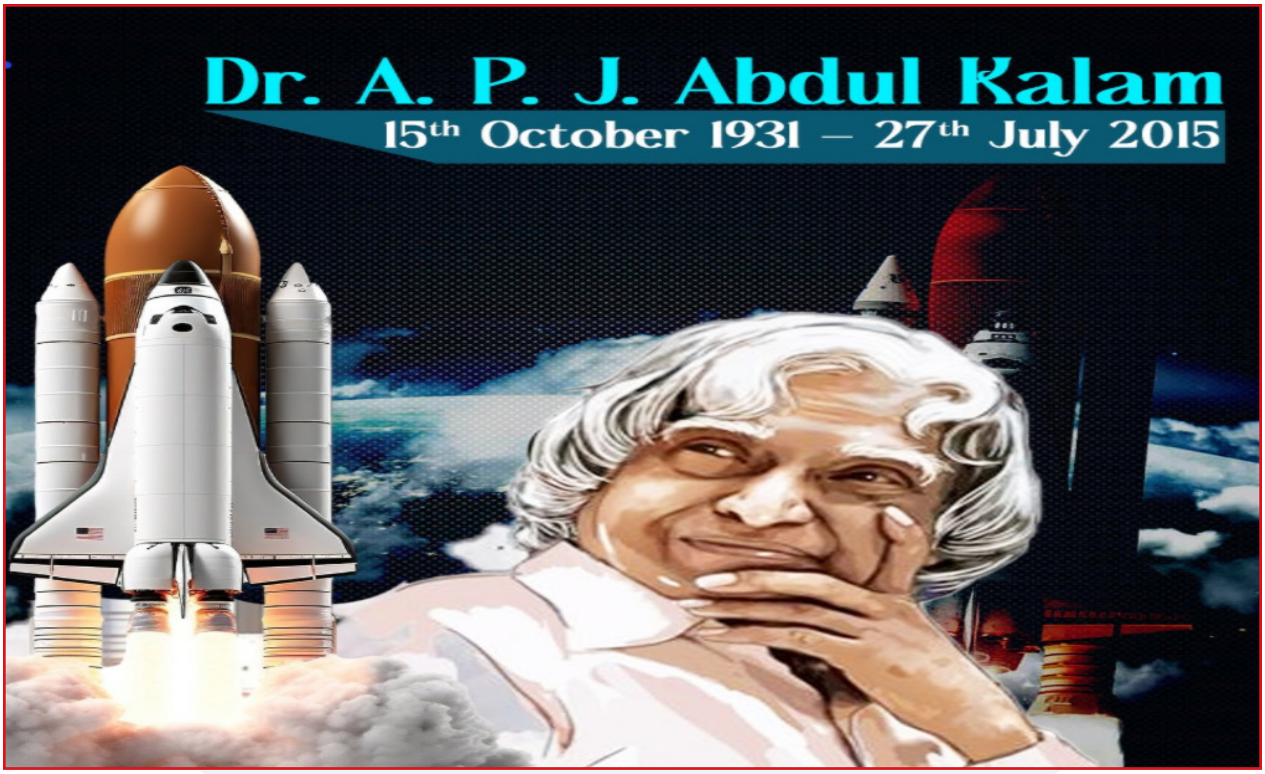

मुख्य बिंदु

- **परिचय: डॉ. अवुल पाकिर जैनुलआबदीन अब्दुल कलाम** का जन्म **15 अक्तूबर, 1931** को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था। उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता प्राप्त की थी।
- **अंतरिक्ष अनुसंधान:** वे भारत के **पहले स्वदेशी** **उपग्रह प्रक्षेपण यान (SLV-III)** के परियोजना निदेशक रहे, जिसने जुलाई, 1980 में **रोहिणी उपग्रह** को पृथ्वी की कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया, जिससे भारत विशिष्ट "स्पेस क्लब" का सदस्य बना।
  - उन्होंने इसरो के प्रक्षेपण यान कार्यक्रम के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, विशेष रूप से **PSLV** **कॉन्फिगरेशन** के निर्माण में, जो भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमताओं की आधारशिला बन गया।
- **रक्षा विकास: एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम** (IGMDP) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में, उन्होंने **AGNI** और PRITHVI जैसी प्रमुख मिसाइल प्रणालियों के विकास तथा संचालन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

  - जुलाई, 1992 से दिसंबर, 1999 तक रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार और रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग (DRDO) के सचिव के रूप में, डॉ. कलाम ने भारत के मिसाइल प्रणालियों के सशस्त्रीकरण का नेतृत्व किया तथा सफल पोखरण-II **परमाणु परीक्षणों** की देख-रेख की, जिससे भारत एक परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र बना।
  - उनका योगदान रक्षा प्रणालियों में आत्मनिर्भरता तक विस्तृत था, जिसमें लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (LCA) के विकास में उनकी अहम भूमिका शामिल है।
- **विकसित भारत का दृष्टिकोण:** उनका नेतृत्व **टेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड असेसमेंट काउंसिल** (TIFAC) तक विस्तृत था, जहाँ उन्होंने अध्यक्ष के रूप में **टेक्नोलॉजी विज़न 2020** परियोजना का नेतृत्व किया।
- **पुस्तकें:** उनकी रचनाएँ जैसे- ***"विंग्स ऑफ फायर"***, ***"इंडिया 2020 - ए विज़न फॉर द न्यू मिलेनियम"***, ***"माय जर्नी"*** और ***"इग्नाइटेड माइंड्स - अनलीशिंग द पावर विदिन इंडिया"***- अनेक भाषाओं में अनुदित की गई हैं, जो आज भी विश्वभर में लोकप्रिय हैं।
- **सम्मान और पुरस्कार:** उन्हें 30 मानद डॉक्टरेट की उपाधियाँ प्राप्त हुईं तथा भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों जैसे- **पद्म भूषण** (1981), **पद्म विभूषण** (1990) और भारत रत्न (1997) से सम्मानित किया गया।
  - **भारत के राष्ट्रपति:** 25 जुलाई, 2002 को डॉ. कलाम भारत के 11वें राष्ट्रपति बने, जहाँ उन्होंने विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया। उनकी राष्ट्रपति अवधि का प्रमुख लक्ष्य था- भारत को वर्ष 2020 तक एक वैश्विक नेता के रूप में परिवर्तित करना। उन्होंने वैज्ञानिक उत्कृष्टता, राष्ट्रीय गौरव और युवा सशक्तीकरण की एक अमिट विरासत स्थापित की।

विशाखापत्तनम में गूगल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब

चर्चा में क्यों ?

गूगल ने आंध्र प्रदेश के **विशाखापत्तनम** में अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) हब स्थापित करने के लिये वर्ष 2026 से 2030 तक अगले पाँच वर्षों में **15 अरब डॉलर** निवेश करने की योजना की घोषणा की है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** इस परियोजना की घोषणा नई दिल्ली में आयोजित '**भारत AI शक्ति**' कार्यक्रम के दौरान की गई, जहाँ **गूगल के CEO सुंदर पिचाई** ने बताया कि उन्होंने इस परियोजना पर **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** से चर्चा की थी।
- **सबसे बड़ा AI हब: विशाखापत्तनम** में बनने वाला नया डेटा सेंटर अमेरिका के बाहर **गूगल का सबसे बड़ा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) हब** होगा।
  - यह पहल गूगल की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत कंपनी इस वर्ष लगभग **85 अरब डॉलर** का निवेश करके अपने डेटा सेंटर नेटवर्क का विस्तार कर रही है, ताकि विश्वभर में बढ़ती AI सेवाओं की मांग को पूरा किया जा सके।
- **सेवाएँ:** गूगल AI हब पूरी तरह से AI समाधान प्रदान करेगा, जिसमें गूगल के स्वामित्व वाले टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट्स (TPU) का उपयोग किया जाएगा, जो पारंपरिक चिप्स की तुलना में दोगुनी ऊर्जा-कुशल हैं।
  - यह हब डेटा को स्थानीय रूप से संग्रहित करेगा ताकि भारत की **सॉवरेन AI आवश्यकताओं** का पालन हो सके, साथ ही गूगल के उन्नत AI मॉडल जैसे- **जेमिनी (Gemini), इमैजिन (Imagine) और वीओ (Veo)** को भी तैनात किया जाएगा।
- **सहयोग:** इस महत्त्वाकांक्षी पहल का समर्थन करने के लिये **अडानी समूह** और **एयरटेल** ने गूगल के साथ साझेदारी की है। इसके अंतर्गत आवश्यक बुनियादी ढाँचे का निर्माण किया जाएगा, जिसमें एक **न्यू इंटरनेशनल सबसिया गेटवे** भी शामिल है।

समुद्र शक्ति का पाँचवाँ संस्करण

चर्चा में क्यों ?

भारतीय नौसेना 14 से 17 अक्तूबर तक **आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम** में इंडोनेशियाई नौसेना के साथ द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास '**समुद्र शक्ति**' के पाँचवें संस्करण की मेज़बानी कर रही है।

SAMUDRA SHAKTI - 25
EX-SAMUDRA SHAKTI - 25
SAMUDRA SHAKTI - 25

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** इस संयुक्त अभ्यास का उद्देश्य समुद्र और तट दोनों पर पेशेवर तथा परिचालनिक गतिविधियों की एक श्रृंखला के माध्यम से दोनों देशों के बीच **अंतरसंचालन क्षमता (interoperability)** को बढ़ाना तथा **समुद्री सहयोग** को सुदृढ़ करना है।
- **भाग लेने वाली इकाइयाँ:**
  - **INS कवरत्ती:** भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े की एक पनडुब्बी-रोधी युद्धक (Anti-Submarine Warfare) कॉर्वेट।
  - **KRI जॉन ली:** इंडोनेशियाई नौसेना की एक कॉर्वेट, जो एक एकीकृत हेलीकॉप्टर से सुसज्जित है।

- **हार्बर फेज़:** हार्बर चरण में गतिविधियाँ शामिल हैं जैसे- **क्रॉस-डेक दौरे, संयुक्त योग सत्र, मैत्रीपूर्ण खेल आयोजन** और **सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट एक्सचेंज (SMEE) कार्यक्रम** के तहत पेशेवर आदान-प्रदान, जो दोनों देशों के नौसैनिक कर्मियों के बीच **पेशेवर संवाद तथा सौहार्द बढ़ाने** के उद्देश्य से आयोजित की जाती हैं।
- **सी चरण:** सी चरण में **जटिल और उच्च-गतिशीलता वाले समुद्री अभियान** होंगे, जिनका उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच **टैक्टिकल समन्वय (tactical coordination)** में सुधार करना है। इन अभियानों में हेलीकॉप्टर युद्धाभ्यास, **हवाई रक्षा अभ्यास (Air Defence Exercises),** हथियार फायरिंग ड्रिल्स और विजिट, बोर्ड, सर्च एंड सिज़र (VBSS) ऑपरेशन्स शामिल होंगे।
- **महत्त्व:** यह अभ्यास **इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता और शांति बनाए रखने** के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को उजागर करता है।
- भारत और इंडोनेशिया के बीच अन्य सैन्य अभ्यास: **गरुड़ शक्ति**, **IND-INDO CORPAT**

संयुक्त राष्ट्र सैनिक योगदानकर्त्ता देशों के (UNTCC) प्रमुखों का सम्मेलन 2025

चर्चा में क्यों ?

संयुक्त राष्ट्र सैनिक योगदानकर्त्ता देशों के (UNTCC) प्रमुखों का सम्मेलन 2025, जिसे भारतीय सेना ने 14 से 16 अक्तूबर, 2025 तक आयोजित किया, में **32 देशों के वरिष्ठ सैन्य नेताओं** को एकत्रित किया गया, जो वैश्विक **संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

UN
IEFS' CONC
for
UN TCC
13th-16th October
ekshaw Centre, New
UN
CONCLA
for
TCCs
October 2025
New Delhi

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** इस सम्मेलन में 32 देशों के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी शामिल हैं, जिनमें अल्जीरिया, आर्मेनिया, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, ब्राज़ील, मिस्र, इथियोपिया, फ्राँस, घाना, भारत, इटली, केन्या, मलेशिया, नेपाल, नाइजीरिया, पोलैंड, रवांडा, श्रीलंका, तंज़ानिया, थाईलैंड, युगांडा, उरुग्वे और वियतनाम शामिल हैं।
    - इस कार्यक्रम में रक्षा प्रदर्शनियाँ भी शामिल हैं, जिनका उद्देश्य शांति स्थापना अभियानों के लिये साझा क्षमताओं का निर्माण करना है।
- **उद्देश्य:** UNTCC एक महत्त्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है, जिसका उद्देश्य परिचालनिक चुनौतियों, विकसित हो रहे खतरों, अंतर-संचालन क्षमता, निर्णय-निर्माण में समावेशिता और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना को सुदृढ़ करने में प्रौद्योगिकी तथा प्रशिक्षण की भूमिका पर चर्चा करना है।
    - **भारत**, जो संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में सबसे बड़े योगदानकर्त्ताओं में से एक है, ने **भविष्य के शांति स्थापना अभियानों के लिये सर्वोत्तम प्रथाओं पर चर्चा, ज्ञान साझा करने और आपसी समझ विकसित करने** के उद्देश्य से इस उच्च स्तरीय मंच का आयोजन किया है।
- **प्रौद्योगिकी प्रदर्शन:** प्रमुखों ने भारतीय सेना द्वारा एकीकृत, आधुनिक सैन्य प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन देखा, जिसमें विभिन्न स्वदेशी सैन्य उपकरणों को प्रदर्शित किया गया।
- **संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के लिये 4C सूत्र:** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शांति स्थापना में उभरती चुनौतियों का समाधान करने हेतु ***परामर्श (Consultation), सहयोग (Cooperation), समन्वय (Coordination) और क्षमता निर्माण (Capacity Building)*** के मार्गदर्शक सिद्धांत का प्रस्ताव रखा, जिसे **4C सूत्र** कहा गया।
    - उन्होंने यह भी बताया कि **नई दिल्ली स्थित सेंटर फॉर UN पीसकीपिंग** ने 90 से अधिक देशों के प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया है, जिससे शांति सैनिकों के बीच **अंतरसंचालन क्षमता (Interoperability)** के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान मिला है।

संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना (UNPK)

- पहला UNPK मिशन, **संयुक्त राष्ट्र युद्धविराम पर्यवेक्षण संगठन (UNTSO)**, मई 1948 में स्थापित किया गया था ताकि इज़रायल और उसके अरब पड़ोसियों के बीच **आर्मिस्टिस समझौते** की निगरानी एक छोटे सैन्य पर्यवेक्षक दल के माध्यम से की जा सके।
- उन्हें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा **युद्धविराम और शांति समझौतों का समर्थन करने** के लिये तैनात किया जाता है तथा इन्हें **ब्लू हेलमेट्स** कहा जाता है क्योंकि हल्का नीला रंग **UN ध्वज पर शांति का प्रती**क है।
- वर्तमान में, 119 देशों के 61,000 से अधिक सैन्य और पुलिस शांति सैनिक तथा 7,000 से अधिक नागरिक कर्मी 11 संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशनों में सेवा प्रदान कर रहे हैं।

पिंकी आनंद बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय की न्यायाधीश नियुक्त

चर्चा में क्यों ?

डॉ. पिंकी आनंद, वरिष्ठ अधिवक्ता और **भारत की पूर्व** एडिशनल सॉलिसिटर जनरल, को **बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय (BICC)** में न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है, जो कि वर्ष 2024 में **पूर्व** सर्वोच्च न्यायालय **के न्यायाधीश संजय किशन कौल** की उसी न्यायालय में नियुक्ति के बाद हुआ है।

डॉ. पिंकी आनंद

- **पृष्ठभूमि: हार्वर्ड लॉ स्कूल की स्नातक और इन्लैक्स स्कॉलर, डॉ. पिंकी आनंद के पास 40 वर्षों से अधिक का विधिक अनुभव** है। उन्होंने भारत में **एडिशनल सॉलिसिटर जनरल** (2014-2020) के रूप में कार्य किया और उन्हें संवैधानिक कानून, सिविल मध्यस्थता तथा आपराधिक कानून में विशेषज्ञता प्राप्त है।
- **अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व:** उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व विभिन्न **राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों** पर किया है, जिनमें **ब्रिक्स** (BRICS) शामिल हैं; **ब्रिक्स लीगल फोरम** की संस्थापक सदस्य भी हैं।
- **सम्मान:** उन्हें फ्राँस के राष्ट्रपति द्वारा **फ्रेंच नेशनल ऑर्डर ऑफ मेरिट** से सम्मानित किया गया।

बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय (BICC)

- **बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय** (Bahrain International Commercial Court- BICC) की स्थापना जटिल सीमा पार वाणिज्यिक विवादों को निपटाने के लिये की गई है। यह न्यायालय **5 नवंबर, 2025 को न्यायाधीशों के शपथ ग्रहण समारोह** के साथ अपना कार्य आरंभ करेगा, जिसमें **बहरीन के राजपरिवार और प्रधानमंत्री** की उपस्थिति होगी।
- BICC की अध्यक्षता प्रसिद्ध मध्यस्थता विशेषज्ञ **जान पॉल्सन** कर रहे हैं और इसमें 17 न्यायाधीश शामिल हैं- जिनमें 7 महिलाएँ एवं 10 पुरुष हैं, जो विश्व के **विभिन्न न्यायिक** क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- यह न्यायालय मार्च, 2024 में **बहरीन और सिंगापुर के बीच हुई एक संधि** के तहत स्थापित किया गया है तथा इसका ढाँचा **सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय** (Singapore International Commercial Court- SICC) के मॉडल पर आधारित है ताकि वाणिज्यिक विवाद समाधान में अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रोत्साहित किया जा सके।

नीरज चोपड़ा को मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि

चर्चा में क्यों ?

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा को राष्ट्र के प्रति उनके उत्कृष्ट योगदान और उपलब्धियों के सम्मान में **प्रादेशिक सेना** (Territorial Army) में **मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि प्रदान** की गई है।

- **पिपिंग समारोह नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक** में आयोजित किया गया, जहाँ **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह** ने **सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी** की उपस्थिति में औपचारिक रूप से यह **रैंक प्रतीक/चिह्न** (Rank Insignia) प्रदान किया।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** 24 दिसंबर, 1997 को हरियाणा के पानीपत जिले के खंडरा गाँव में जन्मे नीरज चोपड़ा एक कृषक परिवार से संबंध रखते हैं और भारत के सबसे प्रतिष्ठित खिलाड़ियों में से एक बन चुके हैं।
- **भारतीय सेना में यात्रा:**
  - नीरज चोपड़ा अगस्त, 2016 में भारतीय सेना में **राजपूताना राइफल्स रेजिमेंट** में **नायब सूबेदार** (Naib Subedar) के रूप में शामिल हुए थे तथा **वर्ष 2021** में उन्हें एथलेटिक्स में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिये **सूबेदार (Subedar) के पद पर पदोन्नत** किया गया।
  - **वर्ष 2022** में, ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें **सूबेदार मेजर (Subedar Major)** पद पर पदोन्नत किया गया और भारतीय सेना के सर्वोच्च शांतिकालीन सम्मान '**परम विशिष्ट सेवा पदक**' से सम्मानित किया गया।

  - **अप्रैल, 2025 में,** राष्ट्रपति **द्रौपदी मुर्मू** ने उन्हें राष्ट्रसेवा और उत्कृष्ट खेल उपलब्धियों की मान्यता में **मानद लेफ्टिनेंट कर्नल (Honorary Lieutenant Colonel) की उपाधि प्रदान** की।
- **खेल में प्राप्त उपलब्धियाँ:**
  - **टोक्यो ओलंपिक 2020:** ट्रैक एंड फील्ड में **ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट** बनकर इतिहास रचा।
  - **विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023: स्वर्ण पदक जीता,** जिससे वैश्विक एथलेटिक्स में भारत की उपस्थिति और दृढ़ हुई।
  - **पेरिस ओलंपिक 2024: रजत पदक** प्राप्त किया, जिससे उनका निरंतर उच्च प्रदर्शन स्तर बना रहा।
  - **एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल:** कई **स्वर्ण पदक** जीतकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भाला फेंक स्पर्द्धा में अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की।
  - **डायमंड लीग एवं अन्य प्रतियोगिताएँ:** लगातार शीर्ष स्थान प्राप्त किया तथा **वर्ष 2025 में 90.23 मीटर** का **व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो (Personal Best Throw)** कर भारतीय एथलेटिक्स में एक नया रिकॉर्ड बनाया।
- **पुरस्कार एवं सम्मान:**
  - विशिष्ट सेवा पदक (2023)
  - परम विशिष्ट सेवा पदक (2022)
  - पद्मश्री (2022)
  - मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार (2021)
  - अर्जुन पुरस्कार (2018)

अंतर्राष्ट्रीय स्नो लेपर्ड दिवस और '#23for23' पहल

चर्चा में क्यों?

भारत ने **23 अक्तूबर, 2025** को **अंतर्राष्ट्रीय स्नो लेपर्ड दिवस** मनाया, जिसमें '#23for23' शीर्षक के तहत एक विशिष्ट राष्ट्रीय अभियान चलाया गया। इस अभियान ने लोगों को 23 मिनट **शारीरिक गतिविधि** के लिये समर्पित करने हेतु प्रेरित किया, ताकि **स्नो लेपर्ड (हिम तेंदुए)** और उनके **संवेदनशील उच्च ऊँचाई वाले आवासों** के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** '#23for23' अभियान को वर्ष 2023 के लिये **23 मिनट की सक्रिय भागीदारी** का प्रतीक बनाकर शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण में जागरूकता और सार्वजनिक सहभागिता को बढ़ावा देना है।
  - यह अभियान **ग्लोबल स्नो लेपर्ड और ईकोसिस्टम प्रोटेक्शन प्रोग्राम (GSLEP)** के अंतर्गत, तथा **स्नो लेपर्ड ट्रस्ट वर्ल्डवाइड** के सहयोग से आयोजित किया गया।
- **भारत की संरक्षण उपलब्धियाँ:**
  - भारतीय हिमालय में की गई **पहली स्नो लेपर्ड गणना में 718 स्नो लेपर्ड** पाए गए, जिनमें से **477 लद्दाख** में हैं।
  - भारत ने उच्च ऊँचाई पर स्थित हिमालयों के लिये स्नो लेपर्ड को एक **फ्लैगशिप (मुख्य) प्रजाति** के रूप में चिह्नित किया है।
- **अंतर्राष्ट्रीय स्नो लेपर्ड दिवस:** यह दिवस **वर्ष 2013** में स्थापित हुआ, जब किर्गिज़स्तान में **बिशकेक घोषणा** को अपनाने के बाद उन **12 देशों** ने, जिनमें स्नो लेपर्ड की आबादी है, संरक्षण प्रयासों में सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की।

दृष्टि The Vision

- **स्नो लेपर्ड की मेज़बानी करने वाले देश:** अफगानिस्तान, भूटान, चीन, भारत, कज़ाखस्तान, किर्गिज़स्तान, मंगोलिया, नेपाल, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज़्बेकिस्तान।

स्नो लेपर्ड (Panthera uncia): तथ्य

- **परिचय: मध्यम आकार की बिल्लियाँ** जो **अपनी चतुराई** के लिये जानी जाती हैं और कठोर, ऊँचाई वाले वातावरण में जीवित रहने की क्षमता रखती हैं।
- **पर्यावास:** मध्य और दक्षिण एशिया के पहाड़ों में मूल निवासी, आमतौर पर **9,800 से 17,000 फीट** की ऊँचाई पर पाई जाते हैं।
  - वन्य में लगभग **3,500 से 7,000** स्नो लेपर्ड होने का अनुमान लगाया गया है।
- **विशेषताएँ: मोटे, धूसर-सफेद फर** से युक्त, जो बर्फ और चट्टानों के बीच **छिपने** में सहायता करता है।
- **पारिस्थितिक महत्त्व: ये शीर्ष शिकारी** तथा संकेतक प्रजाति के रूप में कार्य करती हैं, क्योंकि उनकी उपस्थिति **उच्च ऊँचाई पारिस्थितिकी तंत्र** के स्वास्थ्य को दर्शाती है।
  - इनके शिकार से गिद्ध और भेड़िये जैसे अपशिष्ट का सेवन करने वाले जीवों को भोजन मिलता है, जिससे अन्य प्रजातियों का समर्थन होता है।

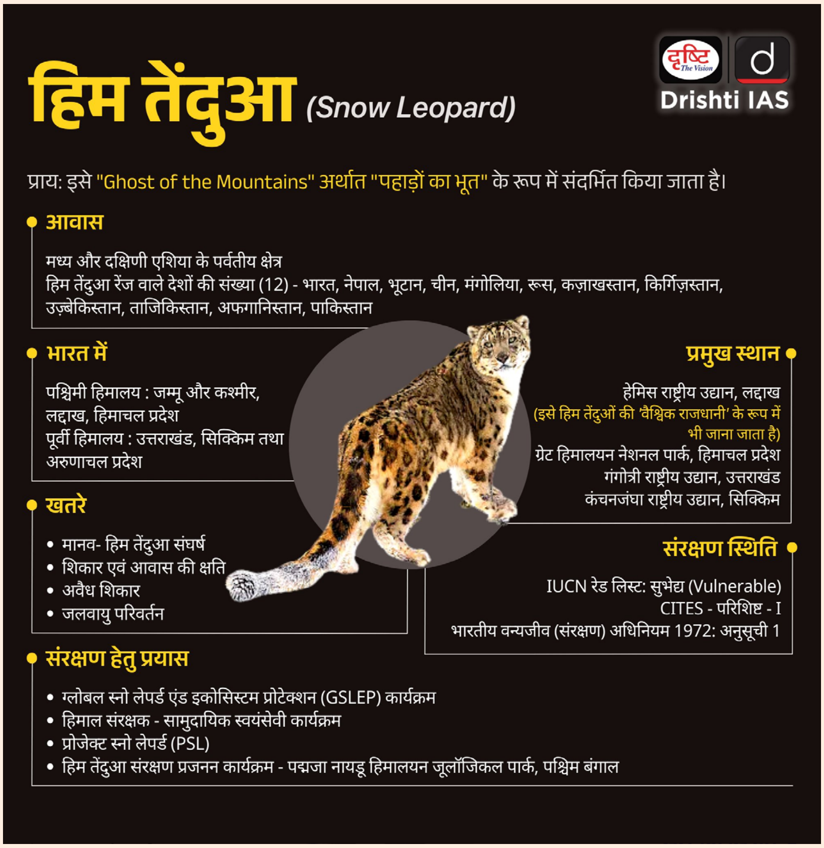

हिम तेंदुआ (Snow Leopard)

Drishti IAS

प्राय: इसे "Ghost of the Mountains" अर्थात "पहाड़ों का भूत" के रूप में संदर्भित किया जाता है।

आवास

मध्य और दक्षिणी एशिया के पर्वतीय क्षेत्र
हिम तेंदुआ रेंज वाले देशों की संख्या (12) - भारत, नेपाल, भूटान, चीन, मंगोलिया, रूस, कज़ाखस्तान, किर्गिज़स्तान, उज़्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान

भारत में

पश्चिमी हिमालय : जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश
पूर्वी हिमालय : उत्तराखंड, सिक्किम तथा अरुणाचल प्रदेश

प्रमुख स्थान

हेमिस राष्ट्रीय उद्यान, लद्दाख
(इसे हिम तेंदुओं की 'वैश्विक राजधानी' के रूप में भी जाना जाता है)
ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क, हिमाचल प्रदेश
गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान, उत्तराखंड
कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान, सिक्किम

खतरे

- मानव- हिम तेंदुआ संघर्ष
- शिकार एवं आवास की क्षति
- अवैध शिकार
- जलवायु परिवर्तन

संरक्षण स्थिति

IUCN रेड लिस्ट: सुभेद्य (Vulnerable)
CITES - परिशिष्ट - I
भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972: अनुसूची 1

संरक्षण हेतु प्रयास

- ग्लोबल स्नो लेपर्ड एंड इकोसिस्टम प्रोटेक्शन (GSLEP) कार्यक्रम
- हिमाल संरक्षक - सामुदायिक स्वयंसेवी कार्यक्रम
- प्रोजेक्ट स्नो लेपर्ड (PSL)
- हिम तेंदुआ संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम - पद्मजा नायडू हिमालयन जूलॉजिकल पार्क, पश्चिम बंगाल

वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन 2025

चर्चा में क्यों ?

भारत ने **वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन (FRA) 2025** के अनुसार कुल वन क्षेत्र के मामले में विश्व में **नौवें स्थान** पर पहुँचकर पर्यावरण संरक्षण में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। यह रिपोर्ट खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) द्वारा **बाली, इंडोनेशिया** में जारी की गई है।

- यह पूर्व में हुए मूल्यांकन में **दसवें स्थान** से सुधार को दर्शाता है और देश के सतत् वन प्रबंधन के प्रति बढ़ती प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन (FRA), जिसे FAO द्वारा संचालित किया जाता है, विश्व के वन संसाधनों का एक व्यापक अवलोकन प्रस्तुत करता है, जिसमें उनकी स्थिति, प्रबंधन और उपयोग शामिल हैं। यह **देशों द्वारा प्रस्तुत डेटा** पर आधारित होता है, जिसे विशेषज्ञ समीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से सत्यापित किया जाता है।
    - यह रिपोर्ट सतत् विकास के लिये वर्ष 2030 एजेंडा, पेरिस जलवायु समझौता, **कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैवविविधता ढाँचा** और **संयुक्त राष्ट्र की वर्ष 2017-2030 के लिये वन रणनीतिक योजना** जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं की निगरानी में सहायता करती है।
- **भारत के संबंध में निष्कर्ष:**
    - रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का **कुल वन क्षेत्र लगभग 72.73 मिलियन हेक्टेयर** है, जिससे देश विश्व में **नौवें स्थान** पर है।
    - वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि के मामले में भारत अभी भी दुनिया में **तीसरे स्थान** पर है, जो उसके बड़े पैमाने पर वनीकरण और संरक्षण पहलों की सफलता को दर्शाता है।
    - FAO रिपोर्ट में भारत के कृषि-वानिकी (एग्रोफॉरेस्ट्री) **क्षेत्र** को भी उजागर किया गया है। 91 देशों में 55.4 मिलियन हेक्टेयर एग्रोफॉरेस्ट्री भूमि में भारत और इंडोनेशिया मिलकर लगभग 70% वैश्विक कुल का प्रतिनिधित्व करते हैं।
        - केवल भारत में 12.87 **मिलियन हेक्टेयर** भूमि एग्रोफॉरेस्ट्री में है, जो कार्बन संग्रहण, **आजीविका सृजन और पारिस्थितिकी तंत्र पुनर्स्थापन** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- **वैश्विक रुझान:**
    - **FRA 2025** के अनुसार, वर्तमान में विश्व के वन लगभग **4.14 बिलियन हेक्टेयर** क्षेत्र में विस्तृत हैं, जो पृथ्वी की कुल भूमि क्षेत्र का लगभग एक-तिहाई है।
    - रिपोर्ट में वैश्विक स्तर पर **वनोन्मूलन (वनों की कटाई) की दर में कमी** देखी गई है, हालाँकि वर्तमान दर **प्रतिवर्ष 10.9 मिलियन हेक्टेयर** अभी भी अधिक है।

- अब विश्व के आधे से अधिक जंगल **दीर्घकालिक प्रबंधन योजनाओं** के तहत हैं और लगभग **20% वन कानूनी रूप से स्थापित संरक्षित क्षेत्रों** में आते हैं।
- वैश्विक स्तर पर **रूस** सबसे ऊपर है, जिसका वन क्षेत्र **832.6 मिलियन हेक्टेयर** है, इसके बाद **ब्राज़ील, कनाडा, अमेरिका और चीन** का स्थान है।

पूर्वी तिमोर आसियान का 11वाँ सदस्य बना

चर्चा में क्यों ?

पूर्वी तिमोर **(तिमोर-लेस्ते)** 14 वर्ष की प्रतीक्षा के बाद आधिकारिक रूप से दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (ASEAN) **का 11वाँ सदस्य** बन गया है।

- **औपचारिक रूप से इसका समावेश कुआलालंपुर** में एक समारोह में हुआ, जो 1990 के दशक के बाद आसियान का **पहला विस्तार है।**

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - पूर्वी तिमोर ने वर्ष 2011 में आसियान की सदस्यता के लिये आवेदन किया था, उसे वर्ष 2022 में पर्यवेक्षक का दर्जा दिया गया तथा **14 वर्षों के बाद वर्ष 2025 में उसे पूर्ण सदस्यता प्राप्त** हुई।
  - इससे पहले आसियान में शामिल होने वाला अंतिम देश **1999 में कंबोडिया था।**
- **प्रभाव:**
  - सदस्यता से पूर्वी तिमोर को **आसियान के** मुक्त व्यापार समझौतों **में भाग लेने, निवेश के अवसर** प्राप्त करने और **व्यापक क्षेत्रीय बाज़ार में अपनी उपस्थिति का विस्तार** करने में मदद मिलेगी।
- **पूर्वी तिमोर (तिमोर-लेस्ते)**
  - पूर्वी तिमोर जिसे **तिमोर-लेस्ते** के नाम से भी जाना जाता है, दक्षिण-पूर्व में तिमोर सागर, **उत्तर में वेटार जलडमरूमध्य, उत्तर-पश्चिम में ओम्बाई जलडमरूमध्य और दक्षिण-पश्चिम में पश्चिमी तिमोर** (इंडोनेशियाई प्रांत पूर्वी नुसा तेंगारा का हिस्सा) से घिरा है।
  - पूर्वी तिमोर में तिमोर द्वीप का पूर्वी आधा हिस्सा शामिल है, **जिसका पश्चिमी आधा हिस्सा इंडोनेशिया का है।**
  - पूर्वी तिमोर, जिसे 18वीं शताब्दी में पुर्तगाल ने उपनिवेश **बनाया था**, पुर्तगाल के शासन के बाद वर्ष 1975 में इंडोनेशिया द्वारा कब्ज़ा कर लिया गया, जिसके कारण यहाँ स्वतंत्रता के लिये एक लंबा संघर्ष चला।
  - वर्ष 1999 में संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में हुए जनमत संग्रह में, पूर्वी तिमोरियों ने स्वतंत्रता के लिये मतदान किया, जिसके कारण शांति सेना के हस्तक्षेप तक हिंसा जारी रही और **वर्ष 2002 में** संयुक्त राष्ट्र **द्वारा देश को आधिकारिक रूप से मान्यता दी गई।**

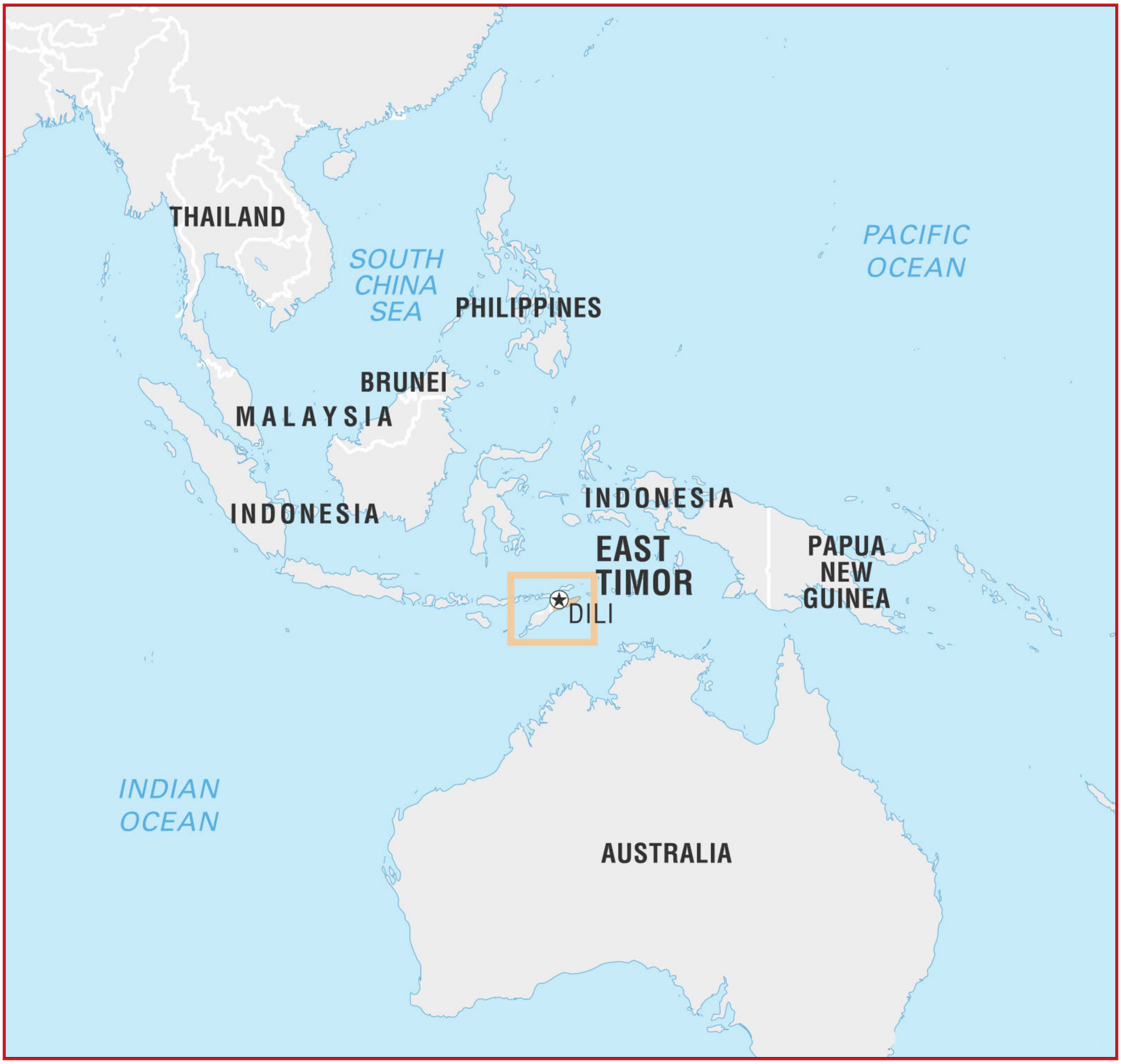
THAILAND
SOUTH CHINA SEA
PHILIPPINES
PACIFIC OCEAN
BRUNEI
MALAYSIA
INDONESIA
INDONESIA
EAST TIMOR
DILI
PAPUA NEW GUINEA
INDIAN OCEAN
AUSTRALIA

आसियान

- **स्थापना:** आसियान घोषणा (बैंकॉक घोषणा) पर हस्ताक्षर द्वारा (1967)
- **संस्थापक सदस्य:** इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड
- **सचिवालय:** इंडोनेशिया, जकार्ता

- **अध्यक्षता:** वार्षिक रूप से बदलती रहती है (वर्तमान में मलेशिया)
- **आसियान शिखर सम्मेलन बैठक:** वर्ष में दो बार आयोजित

आसियान

दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन

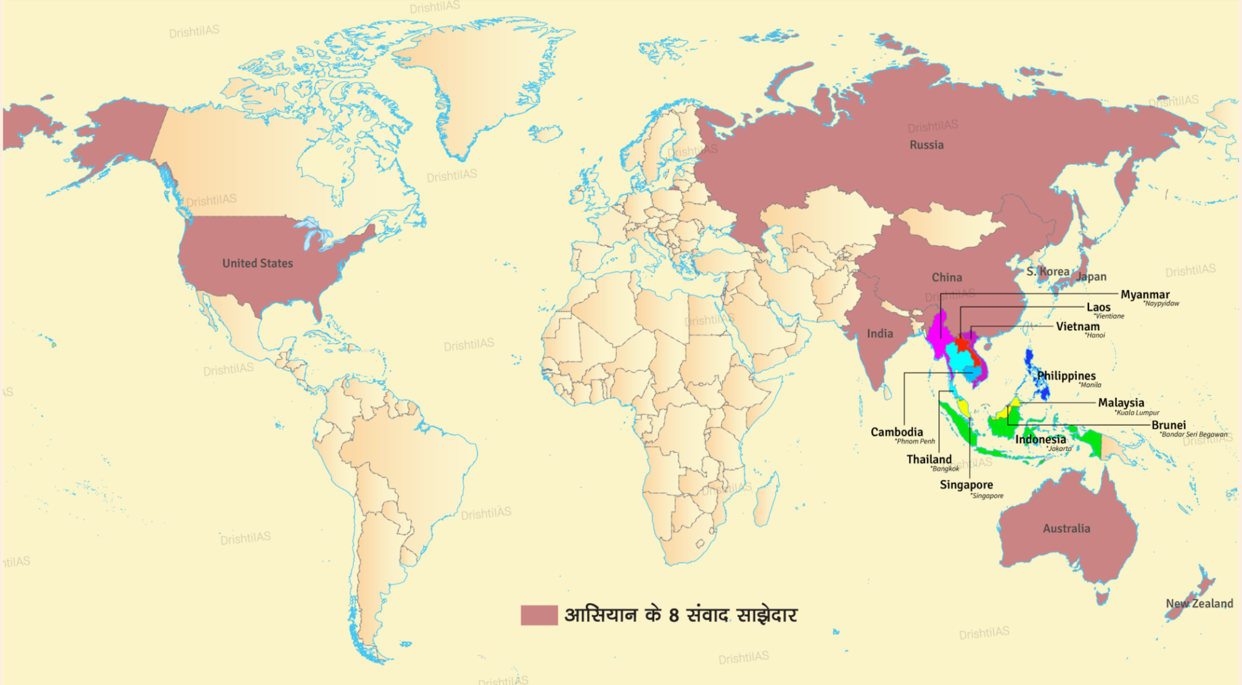
Russia
United States
China
S. Korea
Japan
India
Myanmar
*Naypyidaw
Laos
*Vientiane
Vietnam
*Hanoi
Philippines
*Manila
Malaysia
*Kuala Lumpur
Brunei
*Bandar Seri Begawan
Indonesia
*Jakarta
Cambodia
*Phnom Penh
Thailand
*Bangkok
Singapore
*Singapore
Australia
New Zealand
आसियान के 8 संवाद साझेदार

स्थापना: आसियान घोषणा (बैंकॉक घोषणा) (1967) पर हस्ताक्षर द्वारा

संस्थापक सदस्य: इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड

सचिवालय: इंडोनेशिया, जकार्ता

अध्यक्षता: वार्षिक रूप से बदलती रहती है

आसियान शिखर सम्मेलन: वर्ष में दो बार आयोजित

आसियान (ASEAN) अर्थव्यवस्था:

- संयुक्त GDP: ~3.66 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (2022)
- कुल निर्यात: 1.73 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (वर्ष 2021 में वैश्विक निर्यात का 8.24%)
- प्रमुख निर्यात मदें: मोनोलिथिक इंटीग्रेटेड सर्किट, पाम ऑयल, डेटा प्रोसेसिंग उपकरण

ADMM+बैठक: आसियान और उसके 8 संवाद साझेदारों (भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, रूस और न्यूज़ीलैंड) के लिये मंच

- पहली बार आयोजन: हनोई, वियतनाम (2010)

Drishti IAS

भौतिक वैज्ञानिक जयंत नार्लीकर को विज्ञान रत्न

चर्चा में क्यों?

प्रसिद्ध भौतिक वैज्ञानिक **जयंत विष्णु नार्लीकर को मरणोपरांत** विज्ञान रत्न पुरस्कार **2025 के लिये चयनित** किया गया है, जो **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** में **आजीवन उपलब्धियों** के लिये देश का सर्वोच्च सम्मान है।

- **भारत सरकार** ने राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2025 के **दूसरे संस्करण की** घोषणा की, जिसमें चार श्रेणियों - **विज्ञान रत्न, विज्ञान श्री, विज्ञान युवा** और **विज्ञान टीम** में **23 व्यक्तियों तथा एक संस्थान को** सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **जयंत विष्णु नार्लीकर के बारे में:**
  - जयंत विष्णु नार्लीकर (1938–2025) एक **प्रख्यात खगोल-भौतिक वैज्ञानिक** थे, जो **ब्रह्मांड विज्ञान, सामान्य सापेक्षता** तथा **ब्रह्मांड के स्थिर-अवस्था सिद्धांत** पर अपने शोध कार्यों के लिये विख्यात थे।
  - **सर फ्रेड होयल** के निकट सहयोगी के रूप में उन्होंने **गुरुत्वाकर्षण के होयल-नार्लीकर सिद्धांत** का सह-विकास किया।
  - वे **पुणे स्थित अंतर-विश्वविद्यालय खगोल विज्ञान एवं खगोल-भौतिकी केंद्र (IUCAA)** के **संस्थापक निदेशक** रहे।
  - उनके योगदान ने भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान के मध्य सेतु का कार्य किया, जबकि उनके **लोकप्रिय विज्ञान लेखन** ने युवा वैज्ञानिकों की अनेक पीढ़ियों को प्रेरित किया।
- **राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2025 के प्राप्तकर्त्ता:**

विज्ञान श्री (विशिष्ट योगदान)	
प्राप्तकर्त्ता	**क्षेत्र**
ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह	कृषि विज्ञान
यूसुफ मोहम्मद शेख	परमाणु ऊर्जा
के. थंगराज	जैविक विज्ञान
प्रदीप थलप्पिल	रसायन विज्ञान
अनिरुद्ध भालचंद्र पंडित	इंजीनियरिंग विज्ञान
एस. वेंकट मोहन	पर्यावरण विज्ञान
महान एम.जे.	गणित और कंप्यूटर विज्ञान
जयन एन	अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी
विज्ञान युवा (युवा वैज्ञानिक पुरस्कार)	
जगदीश गुप्ता कपुगंती	कृषि विज्ञान
सतेंद्र कुमार मंगरौठिया	कृषि विज्ञान
देबरका सेनगुप्ता	जैविक विज्ञान

दीपा अगाशे	जैविक विज्ञान
दिब्येंदु दास	रसायन विज्ञान
वलीउर रहमान	भू - विज्ञान
अर्काप्रवा बसु	इंजीनियरिंग विज्ञान
सब्यसाची मुखर्जी	गणित और कंप्यूटर विज्ञान
श्वेता प्रेम अग्रवाल	गणित और कंप्यूटर विज्ञान
सुरेश कुमार	दवा
अमित कुमार अग्रवाल	भौतिक विज्ञान
सुरहुद श्रीकांत मोरे	भौतिक विज्ञान
अंकुर गर्ग	अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी
मोहनशंकर शिवप्रकाशम	प्रौद्योगिकी और नवाचार
विज्ञान टीम पुरस्कार	
CSIR अरोमा मिशन	कृषि विज्ञान

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार

- **परिचय:**
  - **राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार (RVP)** भारत का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है जो वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और नवप्रवर्तकों के असाधारण योगदान को मान्यता देता है।
  - पद्म पुरस्कारों की तर्ज़ पर स्थापित यह सम्मान **विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार** के विविध क्षेत्रों में उपलब्धियों को मान्यता देता है।
  - ये पुरस्कार **प्रतिवर्ष भारत के राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस** पर **राष्ट्रपति भवन** में प्रदान किये जाते हैं।
  - वर्ष 2023 में स्थापित इस पुरस्कार के विजेताओं की अनुशंसा **प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार** की अध्यक्षता वाली **राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार समिति (RVPC)** द्वारा की जाती है।
  - इसका **पहला समारोह अगस्त, 2024** में आयोजित किया गया था।
- **श्रेणियाँ:**
  - **विज्ञान रत्न:** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में *आजीवन उपलब्धियों और योगदान* के लिये प्रदान किया जाता है।
  - **विज्ञान श्री:** विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिये सम्मानित किया जाता है।
  - **विज्ञान युवा:** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में *असाधारण उपलब्धियों* के लिये *45 वर्ष से कम आयु* के युवा वैज्ञानिकों को प्रदान किया जाता है।
  - **विज्ञान टीम:** उत्कृष्ट सहयोगात्मक कार्य के लिये तीन या अधिक वैज्ञानिकों, शोधकर्त्ताओं या नवप्रवर्तकों की टीम को प्रदान किया जाता है।

त्रिशूल अभ्यास

चर्चा में क्यों?

भारत ने पाकिस्तान से सटी **पश्चिमी सीमा** पर बड़े स्तर पर तीनों सेनाओं का संयुक्त अभ्यास 'त्रिशूल' प्रारंभ किया है।

- यह अभ्यास सर क्रीक क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच किसी भी उकसावे या विरोध का सामना करने तथा **रक्षा तैयारियों को सुदृढ़** करने में भारत की तत्परता को रेखांकित करता है।

मुख्य बिंदु

- **अभ्यास के बारे में:**
  - यह अभ्यास **30 अक्तूबर से 10 नवंबर, 2025** तक निर्धारित है, जिसमें सेना, नौसेना और वायु सेना की बड़े पैमाने पर भागीदारी शामिल है।
    - इसका उद्देश्य **परिचालन तत्परता, संयुक्त समन्वय** और **बहु-क्षेत्र युद्ध कौशल** को बढ़ाना है।
  - इस अभ्यास का **कोड नाम "त्रिशूल"** है, जबकि आंतरिक रूप से इसे **"महागुर्जर"** कहा जाता है।
  - यह अभ्यास **जैसलमेर (राजस्थान) से सर क्रीक (गुजरात)** तक फैले थार रेगिस्तान को कवर करेगा।
- **उद्देश्य:**
  - मुख्य लक्ष्य **सेना, नौसेना और वायुसेना** के बीच **संयुक्त संचालन** का परीक्षण तथा सुधार करना है, जिसमें **भूमि, समुद्र, वायु** एवं **साइबर क्षेत्र** शामिल हैं।
  - अभ्यास में **एकीकृत संचालन, डीप-स्ट्राइक मिशन, अम्फीबियस युद्ध** और **बहु-क्षेत्र युद्ध तैयारियों** पर विशेष जोर दिया जाएगा।
  - यह अभ्यास **विभिन्न कमांडों के बीच समन्वय** बढ़ाने और **नवीनतम स्वदेशी हथियार प्रणालियों** को **वास्तविक युद्ध परिस्थितियों में परखने** का भी लक्ष्य रखता है।
- **भागीदारी:**
  - **सेना** ने **20,000 से अधिक सैनिक** तैनात किये हैं, जिन्हें **T-90S और अर्जुन टैंक, हॉवित्ज़र, सशस्त्र हेलीकॉप्टर** तथा **मिसाइल प्रणाली** का समर्थन प्राप्त है।
  - **वायुसेना (IAF)** उच्च-गति वाले **"महागुर्जर"** संचालन कर रही है, जिसमें राफेल और सुखोई-30MKI फाइटर जेट, परिवहन तथा ईंधन भरण विमान (IL-78), AEW&C प्रणाली एवं UAVs तैनात हैं।
  - **नौसेना** ने सौराष्ट्र और गुजरात तटों पर **फ्रिगेट** तथा **विध्वंसक पोत** तैनात किये हैं, ताकि अम्फीबियस एवं समुद्री युद्ध अभ्यास किया जा सके।
- **एयरमैन को नोटिस (NOTAM):**
  - भारतीय वायु सेना (IAF) ने अभ्यास के दौरान राजस्थान और गुजरात के बड़े हिस्सों में **नागरिक उड़ानों को प्रतिबंधित करने के लिये एयरमैन को नोटिस (NOTAM)** जारी किया है, जबकि पाकिस्तान ने 28–29 अक्तूबर 2025 के आसपास अपने केंद्रीय तथा दक्षिणी वायु क्षेत्र में समान रूप से हवाई मार्गों पर प्रतिबंध लगाया है, संभवत: अपने **सैन्य अभ्यास या हथियार परीक्षण** के कारण।

The Vision

मोंथा चक्रवात

चर्चा में क्यों ?

बंगाल की खाड़ी में उत्पन्न चक्रवात **"मोंथा"** भारत के **पूर्वी तट** के निकट पहुँचते ही **तीव्र रूप ले रहा है**, जिसके कारण **आंध्र प्रदेश, ओडिशा** और **तमिलनाडु** में **हाई अलर्ट** जारी किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **चक्रवात के बारे में:**
  - **परिभाषा:** चक्रवात वे तेज़ वायु-संचलन हैं, जो **निम्न-दबाव क्षेत्रों** के चारों ओर घूमते हैं, जो **उत्तरी गोलार्द्ध** में **वामावर्त** तथा **दक्षिणी गोलार्द्ध** में **दक्षिणावर्त** घूमता है। ये अक्सर **तूफान और गंभीर मौसम** उत्पन्न करते हैं।
  - **चक्रवातों का वर्गीकरण:** IMD विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए **बंगाल की खाड़ी** और **अरब सागर** में कम दबाव वाली प्रणालियों को **क्षति क्षमता** के आधार पर वर्गीकृत करता है।
  - **चक्रवातों का नामकरण:** WMO/ESCAP (एशिया और प्रशांत के लिये संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग) का **ट्रॉपिकल साइक्लोन पैनल**, जिसमें 13 **उत्तरी** हिंद महासागर **देश** शामिल हैं, **अरब सागर एवं बंगाल की खाड़ी के चक्रवातों** के नामकरण का प्रबंधन करता है।
    - पैनल के पास 13 **देशों द्वारा प्रस्तुत नामों की पूर्व-निर्धारित सूची** होती है, जिसका **क्रमिक रूप से उपयोग** किया जाता है।
    - नामों का चयन **स्तंभ दर स्तंभ** किया जाता है, चाहे चक्रवात **कहीं भी उत्पन्न** हुआ हो।
- **हालिया चक्रवात:**
  - **'मोंथा' नाम,** जिसका अर्थ है सुंदर या सुगंधित फूल, **थाईलैंड द्वारा दिया गया था।**
  - इस मौसम के पहले चक्रवाती तूफान का नाम **श्रीलंका के सुझाव पर 'शक्ति' रखा गया।**
  - हाल ही में आए अन्य चक्रवातों में **शक्ति** (श्रीलंका), **फेंगल** (सऊदी अरब), **दाना** (कतर), **असना** (पाकिस्तान) और **रेमल** (ओमान) शामिल हैं।
  - नामकरण सूची के अनुसार, अगला चक्रवात **सेंयार (UAE) होगा,** उसके बाद **दित्वा (यमन), अर्नब (बांग्लादेश)** और **मुरासु (भारत) होंगे।**

DFC पर यात्री ट्रेनों का परिचालन

चर्चा में क्यों ?

भारतीय रेलवे के इतिहास में पहली बार, **डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC)** नेटवर्क **पर यात्री ट्रेनों का परिचालन शुरू किया गया है।**

मुख्य बिंदु

- पारंपरिक रूप से, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFCs) **विशेष रूप से माल परिवहन** के लिये विकसित किये गए थे, जिनका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स की दक्षता बढ़ाना और मौजूदा रेलवे लाइनों पर भीड़ को कम करना था।

- हालाँकि **छठ पूजा (25-28 अक्तूबर, 2025) के दौरान भारी भीड़ के कारण**, रेलवे ने पहली बार खाली **पैसेंजर कोचिंग रैक और विशेष ट्रेनों** को DFC पर चलाने की अनुमति दी।
- इस कदम से त्योहार के समय अधिक संख्या में **पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनें** संचालित करना संभव हुआ।

DFC का स्वरूप:

- **ईस्टर्न DFC (EDFC): ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर** लुधियाना (पंजाब) से शुरू होकर उत्तर प्रदेश और बिहार होते हुए दनकुनी (पश्चिम बंगाल) तक लगभग 1,839 किमी की लंबाई में विस्तृत है। EDFC का अधिकांश वित्तपोषण **विश्व बैंक** द्वारा किया जा रहा है।
- **वेस्टर्न DFC (WDFC):** यह **जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (JNPT), मुंबई** से दादरी तक लगभग 1,506 किमी लंबा है। WDFC का वित्तपोषण **जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (JICA)** द्वारा किया जा रहा है।

8वें वेतन आयोग की संदर्भ शर्तें स्वीकृत

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **8वें केंद्रीय वेतन आयोग (CPC)** के लिये **संदर्भ की शर्तों** (ToR) को स्वीकृति दे दी है।

- यह आयोग **केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन संरचना** तथा सेवानिवृत्ति लाभों की समीक्षा एवं सिफारिश करने के लिये उत्तरदायी है।

मुख्य बिंदु

- **8वें केंद्रीय वेतन आयोग (CPC) के गठन की घोषणा जनवरी, 2025 में की गई थी** और इसके **संदर्भ की शर्तों (ToR)** को 28 अक्तूबर, 2025 को मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया था।
- आयोग अपने गठन के **18 महीने के भीतर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करेगा,** जिससे लगभग 50 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारी (रक्षा कार्मिकों सहित) एवं 69 लाख पेंशनभोगी प्रभावित होंगे।
- आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद **संशोधित वेतन एवं पेंशन संरचना जनवरी, 2026 से लागू होने की संभावना है।**
- **8वें केंद्रीय वेतन आयोग की संरचना:**

पद	नाम / पदनाम
अध्यक्ष	न्यायमूर्ति रंजन प्रकाश देसाई (पूर्व सर्वोच्च न्यायालय न्यायाधीश)
अंशकालिक सदस्य	प्रो० पुलक घोष (भारतीय प्रबंधन संस्थान, बंगलूरू)
सदस्य सचिव	पंकज जैन (पेट्रोलियम सचिव)

- **संदर्भ की शर्तें (ToR):**
  - 8वें केंद्रीय वेतन आयोग को निम्नलिखित विषयों पर विचार करने के बाद सिफारिशें करने का कार्य सौंपा गया है:
    - देश की आर्थिक स्थिति एवं **राजकोषीय सतर्कता** की आवश्यकता।
    - विकासात्मक व्यय एवं **कल्याणकारी उपायों** के लिये संसाधनों की उपलब्धता।
    - गैर-अंशदायी पेंशन योजनाओं की अवित्तपोषित लागत (विशेषकर 2004 से पूर्व की पेंशन देयताएँ)।

  - राज्य के वित्त पर प्रभाव, क्योंकि राज्य सरकारें अक्सर अपने वेतनमान को केंद्र के अनुरूप करती हैं।
  - केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (CPSU) एवं निजी क्षेत्र में कर्मचारियों की वर्तमान पारिश्रमिक संरचना, लाभ तथा कार्य स्थितियाँ।

- **पृष्ठभूमि:**
  - वेतन आयोग का **गठन** आमतौर पर **प्रत्येक 10 वर्ष में एक बार किया** जाता है ताकि सरकारी कर्मचारियों के भत्ते, वेतन संरचना एवं पेंशन में बदलाव की समीक्षा तथा सिफारिश की जा सके।
  - 7वें केंद्रीय वेतन आयोग का गठन वर्ष 2014 में किया गया था और इसकी सिफारिशें 1 जनवरी, 2016 से लागू की गईं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत 53वें मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने **न्यायमूर्ति सूर्यकांत** को भारत का **53वाँ** मुख्य न्यायाधीश (CJI) नियुक्त किया है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - वे **24 नवंबर, 2025** को **न्यायमूर्ति बी. आर. गवई** के उत्तराधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे और **10 फरवरी, 2027** तक लगभग **15 माह** का कार्यकाल पूरा करेंगे।

  - वह **हरियाणा से भारत के पहले मुख्य न्यायाधीश** होंगे।
  - वह **पहली पीढ़ी के वकील** हैं, जो अपनी **स्पष्ट टिप्पणियों, संतुलित निर्णयों और संवैधानिक नैतिकता पर ज़ोर** देने के लिये जाने जाते हैं।
  - उनके कार्यकाल में **न्यायिक सुलभता, प्रशासनिक सुधार** और **संवैधानिक व्याख्या में स्थिरता** पर विशेष ध्यान दिये जाने की संभावना है।
- **महत्त्वपूर्ण निर्णय:**
  - **अनुच्छेद 370:** पाँच-सदस्यीय पीठ के सदस्य रहे, जिसने **अनुच्छेद 370 के निरसन को वैध** ठहराया।
  - **अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का अल्पसंख्यक दर्जा:** इस संबंध में **महत्त्वपूर्ण निर्णय देने वाली पीठ** का हिस्सा रहे।
  - **चुनाव आयोग की निगरानी:** वर्तमान में **बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया** की देखरेख करने वाली पीठ की अध्यक्षता कर रहे हैं।
- **भारत के मुख्य न्यायाधीश:**
  - **अनुच्छेद 124 (2)** के तहत मुख्य न्यायाधीश सहित **सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा** की जाती है।
  - **वरिष्ठतम न्यायाधीश** को सेवा की अवधि के आधार पर मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जाता है (यह **परंपरा है, कोई कानूनी बाध्यता नहीं**)।
  - **अर्हता:** मुख्य न्यायाधीश के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिये व्यक्ति को
    - भारत का नागरिक होना चाहिये,
    - कम-से-कम **5 वर्ष उच्च न्यायालय के न्यायाधीश** या
    - **10 वर्ष अधिवक्ता** के रूप में कार्य किया होना चाहिये,
    - अथवा राष्ट्रपति की राय में **एक प्रतिष्ठित विधिवेत्ता** होना चाहिये।
- मुख्य न्यायाधीश को **केवल संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत से पारित प्रस्ताव** के पश्चात् ही राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है।

राष्ट्रीय एकता दिवस

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय एकता दिवस प्रतिवर्ष 31 अक्तूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल के भारत के एकीकरण में योगदान के सम्मान में मनाया जाता है।

- वर्ष 2025 में यह दिवस विशेष महत्त्व रखता है, क्योंकि यह **सरदार पटेल की 150वीं जयंती** का प्रतीक है।

मुख्य बिंदु

- **राष्ट्रीय एकता दिवस:**
  - यह दिवस सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा प्रतिपादित **एकता, अखंडता और समावेशिता** के मूल्यों का प्रतीक है।
  - इसे **पहली बार वर्ष 2014 में मनाया गया था,** जब सरकार ने **राष्ट्र-निर्माण** में पटेल के ऐतिहासिक योगदान को सम्मानित करने का निर्णय लिया।

  - वर्ष 2015 के आयोजन के दौरान **प्रधानमंत्री** नरेंद्र मोदी ने **'एक भारत श्रेष्ठ भारत'** पहल की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य विभिन्न राज्यों के लोगों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और परस्पर जुड़ाव को सशक्त करना था।

- **कार्यक्रम:**
  - **केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय** द्वारा **माई भारत मंच** के माध्यम से आयोजित **सरदार @150 एकता यात्रा** का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति तथा नागरिक दायित्व की भावना को बढ़ावा देना था, जो **'एक भारत, आत्मनिर्भर भारत'** के दृष्टिकोण के अनुरूप है।
  - इसके अतिरिक्त, 31 अक्तूबर, 2025 को देश के प्रमुख शहरों में **"रन फॉर यूनिटी"** नामक राष्ट्रव्यापी दौड़ का आयोजन किया गया, जिसका **शुभारंभ नई दिल्ली** से हुआ।

- **स्टैच्यू ऑफ यूनिटी:**

  - 31 अक्तूबर, 2018 को सरदार पटेल की स्मृति में **182 मीटर (600 फीट)** ऊँची विश्व की सबसे विशाल प्रतिमा **स्टैच्यू ऑफ यूनिटी** का उद्घाटन **गुजरात के केवडिया** में किया गया।
  - यह प्रतिमा **नर्मदा नदी** के तट पर, **सरदार सरोवर बाँध** (जो कंक्रीट की मात्रा के आधार पर विश्व का दूसरा सबसे बड़ा गुरुत्व बाँध है) के समीप **साधु बेट पहाड़ी** पर स्थित है।
  - वर्ष 2020 में इसे **शंघाई सहयोग संगठन (SCO)** के **"आठ अजूबों"** की सूची में भी शामिल किया गया था।

IRON MAN OF INDIA
[31 OCTOBER 1875 - 15 DECEMBER 1950]

सरदार वल्लभ भाई पटेल

परिचय

- भारत के **पहले गृहमंत्री तथा उप-प्रधानमंत्री**
- बारदोली की महिलाओं द्वारा **'सरदार'** की उपाधि दी गई

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का दृष्टिकोण

- इनके जन्मदिन को **राष्ट्रीय एकता दिवस** के रूप में मनाया जाता है।
- इनकी स्मृति में गुजरात में वर्ष 2018 में **'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी'** का अनावरण किया गया।

संविधन सभा की समितियाँ जिनकी अध्यक्षता सरदार वल्लभ भाई पटेल ने की

- **मूल अधिकारों पर** सलाहकार समिति
- **अल्पसंख्यकों और जनजातीय एवं वंचित क्षेत्रों पर** समिति
- **प्रांतीय गठन समिति**

प्रमुख योगदान

- **खेड़ा (1918)** तथा **बारदोली (1928)** आंदोलनों को राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के साथ एकीकृत किया।
- **कॉन्ग्रेस के 46 वें अधिवेशन (मार्च 1931) की अध्यक्षता** करते हुए **गांधी-इरविन समझौते** की पुष्टि का आह्वान किया।
- इन्हें **'भारत के सिविल सेवकों के संरक्षक संत'** के रूप में याद किया जाता है क्योंकि इन्होने **आधुनिक अखिल भारतीय सेवा प्रणाली की स्थापना** की।
- इन्होंने लगभग **565 देशी रियासतों का भारतीय संघ में विलय** करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसके चलते इन्हें **'भारत का लौह पुरुष'** के रूप में जाना गया।

◆ ◆ ◆ ◆